वर्ष : 34 | अंक : 321 | मुंबई, बुधवार, 28 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सहकारी और औद्योगिक क्षेत्र का पुनरुद्धार

महाराष्ट्र सरकार ने धुले स्थित 'जवाहर शेतकरी सहकारी कताई मिल' को फिर से चालू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस मिल के पुनरुद्धार के लिए वित्तीय मदद प्राप्त करने हेतु एक विस्तृत प्रस्ताव राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) को भेजा जाएगा। यह कदम स्थानीय रोजगार और कपड़ा उद्योग के लिए संजीवनी साबित होगा।

लंबित भुगतानों के लिए ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म

ठेकेदारों के लंबित भुगतानों के निपटान के लिए टी-रीडीएस प्लेटफॉर्म शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह सुविधा लोक निर्माण विभाग से जुड़े सूक्ष्म, लघु और मध्यम ठेकेदार-उद्यमियों के लिए होगी। राज्य सरकार ने धुले में जवाहर शेतकरी सहकारी कताई मिल को पुनर्जीवित करने का भी निर्णय लिया है। इस संबंध में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, नई दिल्ली को एक सिफारिश भेजी जाएगी।

'पीएम सेतु' योजना औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में लागू

बैठक में यह निर्णय किया गया कि 'पीएम सेतु' योजना औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में लागू की जाएगी। इससे इच्छुक युवाओं को राहत मिलेगी। पहले चरण में इसे नागपुर, छत्रपति संभाजीनगर और पुणे जिलों के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में लागू किया जाएगा। अगले चरण में राज्य के अन्य संस्थानों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। पीएम सेतु (प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार क्षमता उन्नयन योजना) से उम्मीदवारों को रोजगार के अवसर प्राप्त करना आसान हो जाएगा।

मुंबई एयरपोर्ट से नवी मुंबई एयरपोर्ट तक मेट्रो लाइन 8 को कैबिनेट से मंजूरी

जनहित के फैसले

फडणवीस सरकार ने लगाई फैसलों की झड़ी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में रोजगार, राजस्व और उद्योग विभाग से जुड़े 5 महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। युवाओं के रोजगार, ठेकेदारों के बकाया बिल, सरकारी जमीन के पट्टे की अवधि जैसे विभिन्न मुद्दों पर बैठक में गहन चर्चा हुई और इस क्षेत्र से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. इन निर्णयों के कारण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर अब बढ़ेंगे. बैठक में ITI में पीएम सेतु योजना शुरू करने का निर्णय किया गया. साथ ही, महाराष्ट्र सरकार ने इस बैठक में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. सरकार ने शत्रु संपत्ति की खरीद-बिक्री पर स्टांप शुल्क माफ करने का फैसला किया है. इस बीच, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कैबिनेट मीटिंग में शामिल नहीं हुए क्योंकि वह अभी सतारा जिले में अपने घर पर हैं. राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कैबिनेट मीटिंग के बाद साफ किया कि वह वहां किसी काम से गए थे. उन्होंने महायुति में किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया.

22,000 करोड़ की 'मेट्रो लाइन 8' सहित कई प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

शत्रु संपत्ति स्टैम्प ड्यूटी माफी

कैबिनेट ने 'शत्रु संपत्ति' की खरीद-बिक्री को आसान बनाने के लिए एक और अहम फैसला लिया है। अब केंद्र सरकार के कस्टोडियन ऑफ एनिमी प्रॉपर्टी ऑफ इंडिया (सीईपीआई) द्वारा बेची जाने वाली शत्रु संपत्तियों के पहले रजिस्ट्रेशन पर मुद्रांक शुल्क (स्टैंप ड्यूटी) पूरी तरह माफ कर दी गई है। युद्ध के दौरान जो लोग भारत छोड़कर शत्रु देशों में बस गए, उनकी संपत्तियों को 'शत्रु संपत्ति' कहा जाता है। राज्य में ऐसी कुल 428 संपत्तियां हैं, जिनमें सबसे अधिक मुंबई उपनगर (177) और ठाणे (86), पालघर में 77 और मुंबई में 62 संपत्तियां शामिल हैं। अक्सर इन संपत्तियों की नीलामी में खरीदारों की रुचि कम देखी गई है। सरकार का मानना है कि स्टांप ड्यूटी माफ होने से संपत्तियों की लागत कम होगी और खरीदार आकर्षित होंगे।

सरकारी जमीनों की लीज अब 49 साल

मंत्रिमंडल ने सरकारी जमीन की लीज अवधि बढ़ाने का भी नीतिगत निर्णय लिया है। अब 30 वर्ष के लीज पर दी गई जमीन की अवधि बढ़ाई जाएगी। राज्य सरकार के विभिन्न प्रशासनिक विभागों, महामंडलों, बोर्डों और प्राधिकरणों के स्वामित्व या नियंत्रण वाली सरकारी जमीनें अब व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए विभिन्न संस्थाओं को लंबी अवधि के पट्टे पर दी जा सकेगी। महाराष्ट्र भू-राजस्व संहिता, 1966 और महाराष्ट्र भू-राजस्व (सरकारी जमीन का निपटान) नियम, 1971 के तहत विभिन्न कारणों से सरकारी जमीन 30 वर्षों के लिए पट्टे पर दी जाती थी। नए निर्णय के अनुसार, अब इस अवधि को बढ़ाकर पहले चरण में अधिकतम 49 वर्ष किया जा सकेगा। नए फैसले के अनुसार, अब यह जमीनें शुरुआत में अधिकतम 49 वर्षों के लिए पट्टे पर दी जा सकेगी। लेकिन यदि पट्टाधारक ने किसी भी नियम या शर्त का उल्लंघन नहीं किया है, तो संबंधित विभाग आवश्यकतानुसार इस पट्टे का नवीनीकरण कर सकेगा। अर्थात नियमों का पालन करने पर कुल अवधि 98 वर्ष तक जमीन का पट्टा मिल सकता है। इस निर्णय से विभिन्न महामंडलों, मंडलों और प्राधिकरणों को अपनी आय बढ़ाने और व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। जिला कलेक्टर कार्यालय इन जमीनों के किराए और नवीनीकरण पर कड़ी निगरानी रखेंगे। इसके साथ ही पट्टे की जमीन के किराए (भूमि भाड़ा) में निश्चित अंतराल पर वृद्धि और किराए की नियमित वसूली व जिला प्रशासन द्वारा निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

मुंबई-नवी मुंबई एयरपोर्ट के बीच सफर होगा आसान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक मेट्रो लाइन 8 के कनेक्शन को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मेट्रो लाइन की कुल लंबाई 35 किलोमीटर होगी, जिसमें 9.25 किलोमीटर अंडरग्राउंड और 24.636 किलोमीटर एलिवेटेड होगी। कुल 20 स्टेशन होंगे, जिनमें से 6 अंडरग्राउंड और 14 एलिवेटेड होंगे।

स्टेशन और जमीन अधिग्रहण का विवरण

मेट्रो लाइन का मार्ग छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट टर्मिनल 2 स्टेशन से घाटकोपर ईस्ट तक अंडरग्राउंड होगा। घाटकोपर वेस्ट से नवी मुंबई एयरपोर्ट टर्मिनल 2 तक एलिवेटेड स्टेशन होंगे। दो स्टेशनों के बीच औसत दूरी 1.9 किलोमीटर तय की गई है। इसके लिए 30.7 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित करने की आवश्यकता है और जमीन अधिग्रहण की अनुमानित लागत 388 करोड़ रुपये है। प्रोजेक्ट की कुल अनुमानित लागत 22,862 करोड़ रुपये बताई गई है।

वित्तीय योगदान और प्रोजेक्ट समय सीमा

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में राज्य और केंद्र सरकार दोनों 20 प्रतिशत वायबिलिटी गैप फंडिंग के रूप में योगदान देंगे। शेष 60 प्रतिशत राशि मेट्रो निर्माण करने वाली निजी कंपनी द्वारा लाई जाएगी। प्रोजेक्ट पूरा करने का तय समय पांच साल है, लेकिन मुख्यमंत्री फडणवीस चाहते हैं कि इसे केवल साढ़े तीन साल में पूरा किया जाए।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार सौदा : अब तक का सबसे बड़ा ट्रेड एग्रीमेंट, सस्ता होगा सामान

18 साल बाद मदर ऑफ़ ऑल डील्स डन

- इम्पोर्टेड लग्जरी कारों पर टैरिफ 110% से घटकर 10%, प्रीमियम शराब पर 150% की जगह 20% टैक्स

एजेंसी | नई दिल्ली

दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आज एक नया अध्याय खुल गया है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे समय से चल रही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बातचीत अब पूरी हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस ऐतिहासिक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। यह डील न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की आर्थिक ताकत को दिखाती है, बल्कि कारोबार, निवेश और रोज़गार के नए रास्ते भी खोलती है।

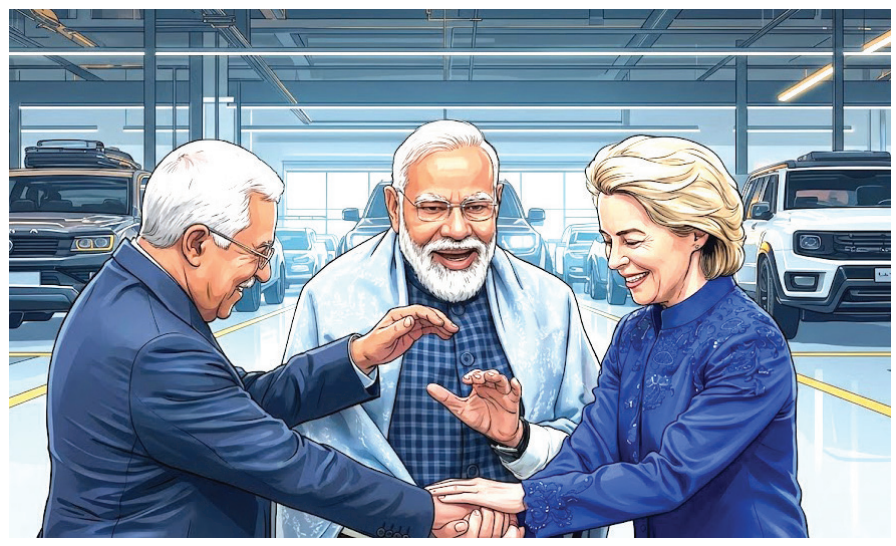

सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता

भारत और यूरोपीय यूनियन (EU) के बीच अब तक के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मोहर लगा दी है। पीएम मोदी ने कहा, भारत ने अपना सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता किया, यूरोपीय संघ के साथ यह मुक्त व्यापार समझौता साझा समृद्धि का नया खाका है। भारत-यूरोपीय संघ सहयोग वैश्विक हित में एक साझेदारी, यह एफटीए समुद्री क्षेत्र और साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने में मदद करेगा। अमेरिका की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक माहौल में उथल-पुथल मची हुई है, भारत-ईयू विश्व व्यवस्था को स्थिरता प्रदान करेगा। इस डील को लेकर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा, शिखर सम्मेलन ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत और यूरोपीय संघ विश्वसनीय साझेदार के रूप में एक साथ खड़े हैं। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता दो अरब लोगों के बाजार के लिए अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी समझौता है।

क्यों इस डील को कहा जा रहा 'मदर ऑफ ऑल डील्स'

निर्यातकों का कहना है कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ द्वारा दी गई आयात शुल्क रियायतों से 27 देशों के समूह में देश के निर्यात को बढ़ावा मिलने के साथ घरेलू विनिर्माण को गति मिलेगी। वित्त वर्ष 2024-25 में ईयू के साथ भारत का द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 136.53 अरब डॉलर रहा, जिसमें 75.85 अरब डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब डॉलर का आयात शामिल है। इसके साथ ही ईयू भारत का सबसे बड़ा वस्तु व्यापार भागीदार बन गया। ईयू बाजार भारत के कुल निर्यात का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा रखता है, जबकि भारत को ईयू का निर्यात उसके कुल विदेशी निर्यात का 9 प्रतिशत है। इस समझौते के अगले वर्ष की शुरुआत में लागू होने की उम्मीद है। ईयू विश्व का सबसे बड़ा परिधान आयातक है, जहां वित्त वर्ष 2024-25 में कुल परिधान आयात 202.8 अरब डॉलर रहा।

अमेरिका को नहीं रास आई यह डील

यूरोपीय यूनियन और भारत के बीच यह डील अमेरिका को नहीं रास आ रही है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक दिन पहले ही कहा था कि यूरोपीय देश अपने ही खिलाफ युद्ध की फंडिंग करने जा रहा हैं। उन्होंने भारत और यूरोपीय यूनियन को धोखेबाज तक कहा। दरअसल अमेरिका ने रूस से तेल आयात के नाम पर भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अभी फाइनल नहीं हो पाई और ईयू वाली डील फाइनल हो गई।

भारत की अर्थव्यवस्था को बहुआयामी लाभ

यूरोपीय संघ (EU) के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील से भारत को निर्यात, निवेश, रोजगार और वैश्विक रणनीतिक ताकत—चारों मोर्चों पर बड़ा फायदा होने वाला है। इस समझौते के तहत भारत के 9,000 से अधिक उत्पादों पर टैरिफ कम या समाप्त होंगे, जिससे टेक्सटाइल, जेम्स-ज्वेलरी, ऑटो पार्ट्स और इंजीनियरिंग गुड्स को दुनिया के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार EU तक सीधी पहुंच मिलेगी। MSME और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नए ऑर्डर और रोजगार के अवसर मिलेंगे, वहीं किसानों और मछुआरों को कृषि व समुद्री उत्पादों के बेहतर दाम और स्थिर मांग का लाभ होगा। IT, फिनटेक, हेल्थ और एजुकेशन समेत सर्विस सेक्टर को यूरोप के 144 सब-सेक्टर्स में आसान एंट्री मिलेगी, जिससे छात्रों और स्किल्ड प्रोफेशनल्स के लिए वीज़ा अवसर भी बेहतर होंगे। इसके साथ ही EU कंपनियों के निवेश से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, सेमीकंडक्टर, EV, ग्रीन हाइड्रोजन और डिफेंस जैसे हाई-टेक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। आम उपभोक्ताओं को भी यूरोपीय कारों, मेडिकल उपकरणों और अन्य उत्पादों के सस्ते होने का लाभ मिलेगा। कुल मिलाकर यह डील भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन हब बनाने, विदेशी दबावों के विकल्प तैयार करने और स्वतंत्र व्यापार नीति को मजबूती देने की दिशा में अहम कदम साबित होगी।

महाराष्ट्र ओबीसी आरक्षण

महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को जारी किया नोटिस

- नए सिरे से जांच की उठी मांग

एजेंसी | नई दिल्ली/मुंबई

महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों में ओबीसी (OBC) आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस उस याचिका पर जारी किया गया है, जिसमें 2022 की 'न्यायमूर्ति बंथिया आयोग' की रिपोर्ट और उससे जुड़े सभी फैसलों को रद्द करने की मांग की गई है।

'यूथ फॉर इक्वालिटी' ने दी चुनौती

मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की पीठ ने 'यूथ फॉर इक्वालिटी फाउंडेशन' द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से आग्रह किया है कि बंथिया आयोग की रिपोर्ट को खारिज किया जाए क्योंकि उसने आरक्षण देने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया है। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार और चुनाव आयोग से जवाब तलब किया है।

नया आयोग बनाने की मांग

याचिका में केवल पुरानी रिपोर्ट को रद्द करने की ही बात नहीं कही गई है, बल्कि एक वैकल्पिक समाधान भी सुझाया गया है। फाउंडेशन ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि वह राज्य सरकार को एक 'नया आयोग' गठित करने का निर्देश दे। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह नया आयोग सभी स्थानीय निकायों में 'राजनीतिक पिछड़ेपन' का अध्ययन करे और केवल 'ठोस डेटा' के आधार पर ही अपनी रिपोर्ट सौंपे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष ने दलील दी कि न्यायमूर्ति बंथिया आयोग को आरक्षण देने का कोई अधिकार नहीं था। आरोप लगाया गया है कि आयोग ने गलत तरीके से और बिना पर्याप्त आधार के आरक्षण की सिफारिशें कीं। वहीं, मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर पहले से ही याचिकाएं लंबित हैं, अब इस नई याचिका को भी उनके साथ देखा जाएगा।

प्लैबैक गानों में सुनाई नहीं पडेग़ी अरिजीत की आवाज

मुंबई। आइकॉनिक प्लेबैक सिंगर अरिजीत ने प्लैबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट अनाउंस कर दिया है। अरिजीत की वो मीठी सुरीली आवाज अब आपको प्लैबैक गानों में सुनाई नहीं पडेग़ी। अरिजीत सिंह ने अपने रिटायरमेंट की खबर एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने फैंस को दी। सिंगर ने अपनी पोस्ट में लिखा, हैलो, आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। इतने सालों तक मेरे गाने सुनकर मुझे इतना प्यार देने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अब से मैं प्लैबैक वोकलिस्ट के तौर पर कोई नया असाइनमेंट नहीं लूंगा।

आज से बजट सत्र का आगाज

- सर्वदलीय बैठक में 35 से ज्यादा पार्टियों के सांसद शामिल
- सरकार का VB-G RAM-G कानून पर चर्चा से इनकार

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने विधायी और अन्य एजेंडों पर चर्चा करने के लिए आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में 35+ पार्टियों के सांसद शामिल हुए। इस दौरान बजट सत्र को सकारात्मक और सुचारू रूप से चलाने को लेकर चर्चा हुई। बजट सत्र 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ शुरू होगा।

क्या बोले किरेन रिजिजू?

ऑल पार्टी मीटिंग के बाद किरेन रिजिजू ने विपक्ष के विधायी एजेंडा शेयर नहीं करने के आरोप पर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सरकार अपना एजेंडा शेयर करती है। विपक्ष को बोलने की आजादी है, लेकिन सुनना भी जरूरी है। उन्होंने मनरेगा की जगह लाए गए VB-G RAM-G कानून पर चर्चा की मांग खारिज कर दी।

मीटिंग के बाद विपक्षी सांसदों की प्रतिक्रिया

शिवसेना (UBT) MP अरविंद सावंत कि सभी ने अपने-अपने राज्यों के हिसाब से अपनी मांगें रखी हैं। प्रदूषण, SIR, बढ़ती बेरोजगारी जैसे कई मुद्दे हैं और भी बहुत कुछ। वहीं समाजवादी पार्टी MP राम गोपाल यादव कि इस बजट से किसी को कुछ नहीं मिलने वाला है। बजट उन्हीं के लिए है जिनके पास संपत्ति है।

यूजीसी | नए नियमों पर 'सवर्ण' आक्रोश, सरकार बोली- कोई भेदभाव नहीं होगा

देशभर में प्रदर्शन, सुप्रीम कोर्ट में याचिका

एजेंसी | नई दिल्ली/लखनऊ

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) द्वारा जारी 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026' के खिलाफ देशभर में जनरल कैटेगरी (सामान्य वर्ग) के छात्रों और संगठनों का गुस्सा फूट पड़ा है। मंगलवार को नई दिल्ली स्थित UGC मुख्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन हुआ। स्थिति को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है और प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग की है।

महाराष्ट्र-दिल्ली से यूपी तक उबाल, सांसदों को भेजी चूड़ियां

विरोध की आग उत्तर प्रदेश के कई शहरों तक फैल गई है। लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, मेरठ और सीतापुर में छात्रों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने अपना विरोध जताते हुए सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजीं।

अधिकारी का इस्तीफा और कुमार विश्वास का तंज

इस मुद्दे पर प्रशासनिक और सामाजिक हलकों में भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। यूपी के बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने इन नए नियमों के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जो एक बड़ी घटना मानी जा रही है। वहीं, प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास ने सोशल मीडिया पर लिखा: 'चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा 'सवर्ण' हूं... मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा।'

सरकार की सफाई और कोर्ट में चुनौती

विरोध बढ़ता देख केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून का गलत इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं होगा और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर, वकील विनीत जिंदल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इन नियमों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

"झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के लिए दंड को हटाए जाने पर मैं चिंता व्यक्त करता हूँ, क्योंकि इससे छात्रों और शिक्षकों के उत्पीड़न की संभावना बढ़ सकती है। अनिवार्य समानता समितियों में 'सामान्य वर्ग' के प्रतिनिधित्व को बाहर रखना उचित नहीं है।

– नितेश मिश्रा,
प्रदेश अध्यक्ष, अ. भा. ब्राम्हण जनकल्याण समिति

ठाणे–बेलापुर रोड पर तुर्भे स्टोर ब्रिज की राह साफ

पाइपलाइन शिफ्टिंग का काम शुरू, वर्षों बाद आगे बढ़ेगा बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

ठाणे–बेलापुर रोड पर स्थित तुर्भे स्टोर के पास प्रस्तावित ब्रिज निर्माण में सबसे बड़ी रुकावट बनी भूमिगत पाइपलाइन को हटाने का काम आखिरकार शुरू हो गया है। आचार संहिता समाप्त होते ही संबंधित विभाग ने पाइपलाइन शिफ्टिंग का कार्य चालू कर दिया है। इसके पूरा होते ही वर्षों से अटके इस बहुप्रतीक्षित ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से शुरू किया जाएगा। यह ब्रिज पिछले करीब 20 वर्षों से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रहा है। इसके पूरा होने से तुर्भे एमआईडीसी और आसपास के इलाकों में रहने वाले 25 हजार से अधिक नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा और ठाणे–बेलापुर रोड पर लगने वाले भीषण ट्रैफिक से बड़ी राहत मिलेगी।

एकनाथ शिंदे के हस्तक्षेप के बाद बदली तस्वीर

वर्ष 2020 में तत्कालीन पालकमंत्री और वर्तमान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस गंभीर मुद्दे को संज्ञान में लेते हुए ब्रिज का काम जल्द शुरू करने का आश्वासन दिया और अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके बाद काम की शुरुआत तो हुई, लेकिन अधिकारियों द्वारा तैयार किए गए डिजाइन को स्थानीय नागरिकों से छिपाया गया। जब यह डिजाइन सामने आया, तो नागरिकों ने तीव्र विरोध किया। विरोध के बाद आखिरकार डिजाइन में बदलाव कर नया टेंडर जारी किया गया और अब पाइपलाइन शिफ्टिंग के साथ काम दोबारा शुरू हो सका है।

20 साल पुरानी मांग, आंदोलन और वादों का लंबा इतिहास

स्थानीय शिवसेना नेता एवं नवी मुंबई उप जिला प्रमुख सुरेश कुलकर्णी ने करीब 20 वर्ष पहले मनपा सदन में इस स्थान पर ब्रिज निर्माण की मांग उठाई थी। उस समय दो करोड़ रुपए की लागत से प्रस्तावित स्काईवॉक योजना को रद्द कर दिया गया था। कुलकर्णी ने अफसोस जताते हुए कहा कि यदि उस समय यह काम हो गया होता, तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इसके बाद फ्लाईओवर की मांग को लेकर सड़क जाम, अधिकारियों का घेराव जैसे आंदोलन भी किए गए। वर्क ऑर्डर जारी हुआ, लेकिन ऐसा डिजाइन बनाया गया जिसमें पुल के नीचे से केवल रिक्शा और कारें ही गुजर सकती थीं। तकनीकी खामियों के कारण काम फिर अटक गया।

ट्रैफिक से वाहन चालक परेशान

तुर्भे एमआईडीसी क्षेत्र में आने-जाने के लिए नागरिकों को व्यस्त ठाणे–बेलापुर रोड पार करनी पड़ती है। सड़क पार करते समय अब तक 20 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 40 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। स्थानीय नागरिकों के लिए यह सड़क पार करना हमेशा जान जोखिम में डालने जैसा रहा है।

◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇◇

अधिकारियों की लापरवाही बनी देरी की वजह

सामाजिक कार्यकर्ता संतोष जाधव ने कहा कि स्थानीय नगरसेवक सुरेश कुलकर्णी की लगातार मांगों के बावजूद अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट वर्षों तक लटका रहा। यदि यह ब्रिज 8–10 साल पहले बन गया होता, तो दर्जनों लोगों की जान बचाई जा सकती थी। फिलहाल पाइपलाइन हटाने का कार्य जारी है। इसके पूरा होते ही तुर्भे स्टोर ब्रिज का निर्माण शुरू किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को लंबे समय से इंतज़ार की जा रही राहत मिलने की उम्मीद है।

110 परिवारों का सपना हुआ साकार

विधायक संजय केलकर ने सौंपी नए घरों की चाबियां

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र के बालकुंभ में बरसों से अपने हक के घर का इंतजार कर रहे परिवारों के लिए गणतंत्र दिवस खुशियों की सौगात लेकर आया। स्थानीय विधायक संजय केलकर के प्रयासों से, पुनर्विकास (रीडेवलपमेंट) के बाद तैयार हुए आधुनिक घरों की चाबियां 110 परिवारों को सौंपी गईं। इससे पहले यहां की 35 इमारतों में रहने वाले परिवारों को प्रॉपर्टी कार्ड भी वितरित किए जा चुके हैं। बालकुंभ क्षेत्र की 35 इमारतें जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थीं, जिन्हें ठाणे मनपा ने खतरनाक घोषित कर नोटिस जारी किया था। घर खोने के डर से परेशान निवासियों ने भाजपा मंडल अध्यक्ष नीलेश पाटिल के नेतृत्व में विधायक संजय केलकर से मुलाकात कर अपनी व्यथा सुनाई थी। विधायक केलकर ने तुरंत मनपा और संबंधित विभागों के साथ फॉलो-अप शुरू किया। उनकी कोशिशों का नतीजा यह रहा कि न केवल सात पन्नों का विस्तृत लैंड सर्वे तैयार हुआ, बल्कि प्रत्येक परिवार को उनके नाम का प्रॉपर्टी कार्ड भी मिला।

क्लस्टर योजना की बाधा को किया दूर

इन इमारतों के पुनर्विकास में सबसे बड़ी बाधा 'क्लस्टर डेवलपमेंट स्कीम' थी। इन इमारतों के क्लस्टर योजना में शामिल होने के कारण पुनर्विकास प्रक्रिया में देरी हो रही थी। विधायक केलकर ने प्रशासन के साथ विभिन्न स्तरों पर चर्चा की और जोर दिया कि इन सरकारी/सोसायटी इमारतों को क्लस्टर स्कीम से बाहर रखा जाए ताकि काम तेजी से हो सके। अंततः प्रशासन ने उनकी मांग मानी और 'यशवंती नगर' को क्लस्टर स्कीम से बाहर कर दिया गया।

18 महीने में बनकर तैयार हुए आधुनिक आशियाने

रुकावटें दूर होने के बाद, अशोक वाटिका (दो विंग) और भारत कुटीर इमारतों का पुनर्विकास कार्य शुरू हुआ। महज 18 महीनों के भीतर निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक केलकर ने 110 परिवारों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपीं। ये नए घर न केवल मजबूत हैं, बल्कि इनमें जॉगिंग ट्रैक, गार्डन, जिम, पार्किंग और क्लब हाउस जैसी आधुनिक सुविधाएं भी मुहैया कराई गई हैं।

अगले चरण में 124 और परिवारों को मिलेंगे घर

इस अवसर पर नीलेश पाटिल और संजय पाटिल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। विधायक केलकर ने घोषणा की कि पुनर्विकास का यह सिलसिला यहीं नहीं रुकेगा। जल्द ही 'लव कुटीर' और 'शत्रुघ्न कुटीर' इमारतों का काम भी शुरू किया जाएगा, जिससे आने वाले समय में 124 और परिवारों को तय समय सीमा के भीतर उनके उच्च गुणवत्ता वाले घर मिल सकेंगे।

उल्हासनगर महापौर चुनाव की तारीख तय

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगर पालिका के नव निर्वाचित सदस्यों में से महापौर और उप महापौर के चयन को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया के लिए 3 फरवरी 2026 की तिथि निर्धारित की गई है।

कोंकण मंडल के संभागीय आयुक्त कार्यालय ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी करते हुए रत्नागिरी जिला कलेक्टर मनुज जिंदल को विशेष बैठक की अध्यक्षता करने के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया है। नगर विकास विभाग द्वारा महापौर पद के लिए आरक्षण की अधिसूचना जारी होने के बाद उल्हासनगर मनपा आयुक्त ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर संभागीय आयुक्त को प्रस्ताव भेजा था। मुंबई महानगरपालिका अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत कोंकण संभागीय आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने महापौर और उप महापौर चयन की विशेष बैठक आयोजित करने के आदेश जारी किए हैं। इस बैठक में नव निर्वाचित नगरसेवकों में से पारदर्शी तरीके से शहर के प्रथम नागरिक और उप महापौर का चयन किया जाएगा।

पीठासीन अधिकारी नियुक्त हुए रत्नागिरी जिला कलेक्टर मनुज जिंदल

कलेक्टर को विशेष अधिकार, शहर की निगाहें 3 फरवरी पर

पीठासीन अधिकारी के रूप में कलेक्टर मनुज जिंदल को चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए विशेष अधिकार प्रदान किए गए हैं। उन्हें संपूर्ण प्रक्रिया पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए गए हैं। हालिया चुनाव परिणामों के बाद उल्हासनगर का राजनीतिक माहौल गर्माया हुआ है और अब पूरे शहर की नजरें 3 फरवरी को होने वाली इस विशेष बैठक पर टिकी हुई हैं। आदेश की प्रतिलिपि मनपा आयुक्त सहित संबंधित प्रशासनिक विभागों को भेज दी गई है।

मुख्यमंत्री ने किसानों के लॉन्ग मार्च की मांगों को लागू करने की दी गारंटी

दीपक पवार । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फॉरेस्ट राइट्स एक्ट के तहत किए गए सभी दावों की पुनः जांच पर सहमति दी है। यह प्रक्रिया अगले तीन महीनों में पूरी की जाएगी। इसके तहत जंगल की जमीन पर कब्ज़ा करने वाले योग्य दावेदारों को न्याय दिलाया जाएगा। इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए मंत्रियों की एक इम्प्लीमेंटेशन कमेटी का गठन किया गया है।

किसानों की प्रमुख मांगें और बातचीत

लंबे मार्च के दौरान आदिवासी किसानों ने वन अधिकार कानून लागू करने, समुद्र में बहने वाले पानी का उपयोग स्थानीय लोगों और सूखे क्षेत्रों के लिए करने, पेसा भर्ती शुरू करने और रोजगार के अवसर प्रदान करने जैसी मांगें रखीं। अखिल भारतीय किसान सभा के प्रतिनिधिमंडल ने राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, आदिवासी विकास मंत्री अशोक उइके, स्कूली शिक्षा मंत्री दादासाहेब भुसे, वन मंत्री गणेश नाइक, मुख्य सचिव और विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ दो घंटे तक इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री की गारंटी और संतोषजनक समाधान

बैठक के बाद भी किसान सभा का प्रतिनिधिमंडल पूरी तरह संतुष्ट नहीं था। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई में बातचीत फिर से शुरू हुई। मुख्यमंत्री ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी मानी गई मांगें लागू की जाएंगी और इसमें किसी भी तरह की चूक नहीं होगी।

मंत्रियों के स्तर पर निगरानी सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने यह भी भरोसा दिलाया कि मिनिस्टर लेवल पर लगातार निगरानी बनी रहेगी, ताकि लागू करने की प्रक्रिया में किसी भी तरह की कमी न हो। यह कदम किसानों और आदिवासी समुदाय के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित राहत साबित होगा।

लंबे मार्च के बाद मुख्यमंत्री से बैठक

कड़कड़ाती ठंड में मुंबई तक पैदल आए आदिवासी किसानों की मांगों को मानते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने उनका स्वागत किया। हालांकि किसान सभा ने चेतावनी दी कि वे आंदोलन तभी वापस लेंगे जब लॉन्ग मार्च में शामिल हजारों आदिवासी किसानों से चर्चा की जाएगी। इसके बाद किसान सभा के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से उनकी सरकारी आवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय नेता डॉ. अशोक धावले, पूर्व विधायक जे. पी. गावित, डॉ. अजीत नवले, विधायक विनोद निकोले, उमेश देशमुख, सुभाष चौधरी, इंद्रजीत गावित, इरफान शेख, किरण गेहला, सुनील मालुसरे, भीका राठौड़, देवीदास वाघ, रामदास पवार, राडका कलंगडा, चंद्रकांत घोरखाना और एकनाथ मेंगल शामिल थे।

वसई-विरार मनपा में अशोक शेळके बने भाजपा गुट नेता

डीबीडी संवाददाता । वसई

वसई-विरार शहर महानगरपालिका (वीवीसीएमसी) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गुट नेता के रूप में अशोक शेळके को सर्वसम्मति से चुना गया है। भाजपा के 43 नवनिर्वाचित नगरसेवकों की बैठक में उनके नाम पर आधिकारिक मुहर लगाई गई। वीवीसीएमसी चुनाव में भाजपा ने 43 सीटें जीतकर पहली बार सदन में एक शक्तिशाली विपक्षी दल के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

नवनियुक्त गुट नेता अशोक शेळके पहले भाजपा युवा मोर्चा के सचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं और कई आक्रामक आंदोलनों का नेतृत्व कर चुके हैं। वे स्थानीय नागरिक समस्याओं को मुखरता से उठाने और उनके समाधान के लिए पहचाने जाते हैं। प्रभाग क्रमांक 22 से उनका पूरा पैनल विजयी रहा, जिससे उनकी लोकप्रियता और प्रशासनिक क्षमता का पता चलता है।

बैठक में प्रमुख नेताओं की मौजूदगी

नालासोपारा में आयोजित बैठक में भाजपा सांसद हेमंत सवरा, संगठन मंत्री हेमंत म्हात्रे, विधायक राजन नाईक, विधायक स्नेहा दुबे-पंडित, जिलाध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल, पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र पाटिल, महामंत्री मनोज बारोट, जोगेंद्र प्रसाद चौबे और विजेंद्र कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित थे। मनोज बारोट ने मीडिया को जानकारी दी कि बैठक में गुट नेता का चयन सर्वसम्मति से किया गया और इसी निर्णय के आधार पर अशोक शेळके की नियुक्ति की गई।

पारिवारिक कलह सुलझाना पड़ा भारी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के शांतिनगर थाना क्षेत्र में एक मामूली पारिवारिक विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। न्यू आज़ाद नगर इलाके में 26 जनवरी की रात को तीन सगे भाइयों ने मिलकर एक 23 वर्षीय युवक की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी और तनाव का माहौल है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

तीन सगे भाइयों ने चाकू से गोदकर की हत्या, सभी गिरफ्तार

अस्पताल पहुंचने से पहले उखड़ गई सांसें

घटना की सूचना मिलते ही शांतिनगर पुलिस मौके पर पहुंची। खून से लथपथ दिलशाद को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से अहम सबूत जुटाए हैं।

तीनों आरोपी भाई गिरफ्तार, कोर्ट में पेश

शांतिनगर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करते हुए तीनों आरोपी भाइयों—आसिफ अब्दुलहकीम शाह, अलीहसन अब्दुलहकीम शाह और मुज़फ्फर अब्दुलहकीम शाह—को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने जानकारी दी कि आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

बहन के झगड़े में सुलह कराना बनी रंजिश की वजह

पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या की वजह एक दिन पुराना विवाद था। मृतक दिलशाद के भाई और शिकायतकर्ता गुलज़ार मकबूल अहमद शाह (25) ने 25 जनवरी को अपनी मौसेरी बहन (मावस बहन) और उसके पति के बीच चल रहे झगड़े में मध्यस्थता कर मामला शांत कराया था। हालांकि, यह सुलह पति पक्ष के लोगों को नागवार गुजरी। इसी बात की रंजिश रखते हुए आरोपियों ने गुलज़ार के परिवार को सबक सिखाने की साजिश रची।

बीच सड़क पर दिया वारदात को अंजाम

26 जनवरी की रात न्यू आज़ाद नगर स्थित निज़ामिया होटल के पास आरोपियों ने दिलशाद (23) को घेर लिया। मुख्य आरोपी आसिफ अब्दुलहकीम शाह ने दिलशाद पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। जब गुलज़ार अपने भाई को बचाने आया, तो दूसरे आरोपी मुज़फ्फर शाह ने उस पर लोहे की पाइप से हमला कर उसे भी घायल कर दिया।

24 घंटे के लिए पानी की आपूर्ति बंद

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत मुंब्रा, दिवा, कलवा, माजीवाडा-मानपाड़ा, वागले सहित कई प्रभाग समितियों को महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (MIDC) के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जाती है। MIDC की वॉटर सप्लाई स्कीम के तहत जांभूल वॉटर प्यूरिफिकेशन सेंटर रिज़र्वॉयर (HSR) में 12वें ग्रेविटी चैनल क्रमांक 1, 2 और 3 पर चैनल अपग्रेडेशन तथा अर्जेंट मेंटेनेंस रिपेयर कार्य किया जाएगा। इस कारण गुरुवार, 29 जनवरी 2026 को रात 12 बजे से शुक्रवार, 30 जनवरी 2026 को रात 12 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए पानी की आपूर्ति बंद रहेगी।

इन क्षेत्रों में रहेगा पूरा असर

शटडाउन अवधि के दौरान ठाणे मनपा क्षेत्र के अंतर्गत दिवा, मुंब्रा प्रभाग समिति के 26 और 31 के कुछ हिस्सों को छोड़कर, कलवा प्रभाग समिति के सभी क्षेत्र, वागले प्रभाग समिति के अंतर्गत रूपादेवी पाड़ा, किसन नगर क्रमांक-2, नेहरू नगर तथा मानपाड़ा प्रभाग समिति के अंतर्गत कोलशेत खालचा गांव में 24 घंटे तक पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। इसके अलावा, जलापूर्ति बहाल होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक पानी कम दबाव से मिलने की संभावना है। महानगरपालिका के जल आपूर्ति विभाग ने नागरिकों से इस अवधि में पानी का संयमित उपयोग कर प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

साढ़े 18 लाख रु की अवैध विदेशी शराब जब्त, 2 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

राज्य आबकारी विभाग (State Excise Department) के उड़न दस्ते ने कल्याण तहसील के ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। विभाग ने चोरी-छिपे चल रही विदेशी शराब की तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए 18.55 लाख रुपए से अधिक का माल जब्त किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

ठाणे-2 के उड़न दस्ते (फ्लाइंग स्क्वाड) को गोपनीय सूचना मिली थी कि कल्याण के ग्रामीण इलाके में एक गोदाम से अवैध शराब का कारोबार हो रहा है। इस सूचना के आधार पर 25 जनवरी की शाम करीब 7:35 बजे टीम ने छापेमारी की। मौके पर MH-05-FJ-9142 नंबर की एक चार पहिया गाड़ी पाई गई, जिसमें बिक्री के लिए अवैध रूप से विदेशी शराब के विभिन्न ब्रांड रखे गए थे। जांच में पाया गया कि इस शराब के स्टॉक के लिए न तो कोई वैध लाइसेंस था और न ही बोतलों पर एमआरपी (MRP) अंकित थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह शराब तस्करी या शुल्क चोरी की हो सकती है।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई

यह सफल ऑपरेशन राज्य आबकारी आयुक्त डॉ. राजेश देशमुख, संभागीय उपायुक्त प्रदीप पवार और उपायुक्त अनूप शिंदे के मार्गदर्शन में चलाया गया। जमीनी स्तर पर कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में इंस्पेक्टर दीपक परब, सब-इंस्पेक्टर टी.सी. चव्हाण, सब-इंस्पेक्टर आर.आर. सोनवणे और जवान एस.जी. राउत शामिल थे।

18.55 लाख का मुद्देमाल जब्त

टीम ने मौके पर पंचनामा कर गाड़ी, शराब का जखीरा और अन्य सामग्री को अपने कब्जे में ले लिया। जब्त किए गए कुल सामान की कीमत 18,55,800 रुपए आंकी गई है। आबकारी विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से दो आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों के खिलाफ 'महाराष्ट्र मद्य निषेध अधिनियम, 1949' (Maharashtra Prohibition Act, 1949) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संजय गांधी नेशनल पार्क में अतिक्रमण हटाने पर बवाल

टीम पर पथराव के बाद पर्यटकों की एंट्री बंद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के फेफड़े कहे जाने वाले बोरीवली स्थित संजय गांधी नेशनल पार्क (SGNP) में मंगलवार (27 जनवरी) को उस समय तनाव फैल गया, जब वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंची। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेशों का पालन कराने गई टीम को स्थानीय निवासियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। विरोध प्रदर्शन ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया, जिसके बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पर्यटकों के लिए पार्क के दरवाजे बंद

हिंसक झड़प और तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए SGNP प्रशासन ने पर्यटकों की सुरक्षा के लिए बड़ा फैसला लिया। प्रशासन ने 27 जनवरी को पार्क का मुख्य प्रवेश द्वार पर्यटकों और मॉर्निंग वॉकर्स के लिए पूरी तरह बंद कर दिया। डिप्टी डायरेक्टर (साउथ) ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि कानूनी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से पूरा करने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था। फिलहाल पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो चुका है।

1997 के हाईकोर्ट आदेश का क्रियान्वयन

वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई अचानक नहीं की गई है, बल्कि यह 1997 में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का हिस्सा है। कोर्ट ने नेशनल पार्क की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने का आदेश दिया था। नियमों के अनुसार, 1995 की मतदाता सूची में शामिल परिवारों को ही पुनर्वास का लाभ दिया जाना था। इस योजना के तहत अब तक 11,000 से अधिक पात्र परिवारों को चांदिवली और पवई में शिफ्ट किया जा चुका है।

टीम पर अचानक हमला, पुलिस ने संभाला मोर्चा

मंगलवार सुबह जैसे ही अतिक्रमण विरोधी दस्ता पार्क के भीतर पहुंचा, वहां मौजूद भीड़ ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। कुछ ही देर में स्थिति बिगड़ गई और असामाजिक तत्वों ने वन विभाग और पुलिस कर्मियों पर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए इस हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और इलाके की घेराबंदी कर दी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है।

घर मिलने के बाद भी दोबारा कब्जा

जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, उनमें से कई ऐसे हैं जो सरकारी योजना का दुरुपयोग कर रहे हैं। प्रशासन के मुताबिक, लगभग 385 ऐसे परिवार हैं जिन्हें चांदिवली में पक्के घर मिल चुके थे, लेकिन उन्होंने उन घरों को छोड़कर या किराए पर देकर वापस नेशनल पार्क की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। कुछ लोग खुद को आदिवासी बताकर कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं।

मुंबई में तय होगा चंद्रपुर का महापौर, लगातार बैठकों का दौर जारी

चंद्रपुर। चंद्रपुर महानगरपालिका के महापौर पद का चुनाव अब सीधे मुंबई की राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र बन गया है। सत्ताधारी भाजपा और कांग्रेस दोनों ही स्थानीय स्तर पर सत्ता समीकरण साधने के लिए जोर-शोर से प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में मुंबई में लगातार बैठकों और मुलाकातों का सिलसिला जारी है, जिसमें कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने मातोश्री निवास पर शिवसेना (ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात कर इस मुद्दे पर चर्चा की, जबकि भाजपा के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और सुधीर मुनगंटीवार संख्याबल जुटाने के लिए समानांतर प्रयास कर रहे हैं। चंद्रपुर महानगरपालिका में कुल 66 सदस्य हैं और बहुमत के लिए 34 मत जरूरी हैं। वर्तमान में भाजपा और शिवसेना मिलकर केवल 24 पार्षदों तक पहुंचते हैं, जबकि कांग्रेस के पास 27 हैं।

150 दिवसीय ई-गवर्नेंस कार्यक्रम में कामगार विभाग रहा सबसे आगे

मंत्री ने अधिकारियों का किया सम्मान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र राज्य शासन द्वारा आयोजित 150 दिवसीय ई-गवर्नेंस एवं सेवाकर्मी पुरस्कार कार्यक्रम में कामगार विभाग ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस कार्यक्रम में शासकीय विभागों, संचालनालयों, आयुक्तालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों का मूल्यांकन किया गया। 3,000 से कम मंजूर पदसंख्या वाले विभागों की श्रेणी में कामगार विभाग ने 200 में से 185 अंक हासिल किए और प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। विभाग को विशेष प्रशंसनीय वर्ग में भी स्थान मिला है।

कार्यालयीन मूल्यांकन में अन्य उपलब्धियां

कार्यालयीन मूल्यांकन के अंतर्गत राज्य के 68 सर्वोत्तम आयुक्त एवं संचालक श्रेणी में कामगार विभाग के बॉयलर्स संचालनालय ने चौथा स्थान, जबकि कामगार आयुक्तालय ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार विभाग ने न केवल अंक हासिल किए बल्कि अपने कार्यक्षमता और प्रशासनिक उत्कृष्टता का भी प्रमाण दिया।

कामगार मंत्री ने किया सम्मान

विभाग की इस उपलब्धि पर कामगार मंत्री एड. आकाश फुंडकर ने मंत्रालय में उच्चपदस्थ अधिकारियों का सम्मान किया और उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना की। इस अवसर पर विभाग प्रमुख के रूप में मंत्री का भी सम्मान किया गया। समारोह में कामगार विभाग की प्रधान सचिव आई.ए. कुंदन, कामगार आयुक्त एच.पी. तुम्मोड, उपसचिव दीपक पोकले, उपसचिव स्वप्निल कापडणीस, उपसचिव रोशनी कदम, बॉयलर्स संचालनालय के संचालक गजानन वानखडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

किशोरी पेडनेकर ने महायुति पर निशाना साधा

मुंबई। शिवसेना (ठाकरे) की समूह नेता और पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर ने कहा कि गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद अगर दोनों घटक दलों के बीच सहमति नहीं बनती है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण होगा। मंगलवार को पार्षदों ने कोंकण भवन आयुक्त के पास समूह का पंजीकरण कराने के बाद नगर निगम मुख्यालय के सचिव अनुभाग में पार्षद के रूप में पंजीकरण कराया, और इसी दौरान पेडनेकर ने अपनी बात रखी।

मालवणी में गैस सिलेंडर ब्लास्ट

मुंबई । मालवणी इलाके में मंगलवार सुबह गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ। यह हादसा मालवणी गेट नंबर-8, एसी मस्जिद के पास एक चॉल में हुआ, जहां गैस रिसाव के कारण सिलेंडर में विस्फोट हो गया और चॉल में आग लग गई।

घटना के तुरंत बाद बीएमसी फायर ब्रिगेड (MFB) को सुबह 9:25 बजे सूचना मिली और मौके पर फायर ब्रिगेड, पुलिस, बिजली वितरण कंपनी के स्टाफ, एंबुलेंस और बीएमसी वार्ड स्टाफ पहुंच गए। आग मुख्य रूप से पहली मंजिल पर स्थित कमरे में सिलेंडर, गैस चूल्हे, एसी शीट, घरेलू सामान और गद्दों तक सीमित रही। फायर ब्रिगेड ने सुबह 9:42 बजे आग पर काबू पा लिया।

कुछ घायलों की हालत गंभीर

इस हादसे में कुल 7 लोग झुलसे हैं। इनमें से 4 घायलों को आधार अस्पताल और 3 को केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है और सभी का इलाज जारी है। घटना के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने चॉल के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। प्रारंभिक जांच में सिलेंडर से गैस रिसाव को मुख्य कारण माना जा रहा है।

क्या राऊत के लिए वंदनीय हो गईं सोनिया गांधी : बन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया विभाग प्रमुख नवनाथ बन ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राऊत पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के लिए बालासाहेब ठाकरे, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और आनंद दिघे वंदनीय हैं, लेकिन संजय राऊत के लिए वास्तव में कौन वंदनीय है, यह सवाल जनता के सामने है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन सोनिया गांधी की कभी बालासाहेब ठाकरे ने कड़ी आलोचना की थी, वही आज उबाठा गुट और राऊत के लिए वंदनीय बन गई हैं।

उबाठा गुट पर कांग्रेस-एआईएमआईएम की गुलामी का आरोप

नवनाथ बन ने कहा कि राहुल गांधी और एआईएमआईएम अब राऊतों के लिए परमपूज्य हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उद्धव ठाकरे और संजय राऊत ने कांग्रेस नेतृत्व की गुलामी के अलावा कुछ नहीं किया। बन ने कहा कि कौन किसका अंगवस्त्र है, इस पर निम्न स्तर की भाषा बोलने के बजाय जनता वास्तविक स्थिति अच्छी तरह जानती है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने उबाठा गुट को पहले ही घर बैठा दिया है और मुंबई में भाजपा-महायुति का ही महापौर बनेगा।

कोश्यारी, आदिवासी मुद्दे और नेतृत्व पर सवाल

भगतसिंह कोश्यारी को पद्म पुरस्कार मिलने पर राऊत की आलोचना को बन ने ओछी राजनीति करार दिया। उन्होंने कहा कि कोश्यारी ने राज्यपाल रहते हुए भ्रष्ट उबाठा सरकार पर अंकुश लगाने का प्रयास किया था। साथ ही, उन्होंने उबाठा गुट पर आदिवासी आंदोलन को भड़काने की साजिश रचने का आरोप लगाया। अंत में बन ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 24 घंटे जनहित में काम कर रहे हैं, जबकि उद्धव ठाकरे अब घर बैठे हैं और जनता उनसे सवाल पूछ रही है।

विधायक टूट और भाजपा में शामिल होने की अटकलें

उद्योग मंत्री उदय सामंत के भाजपा में जाने के राऊत के बयान पर पलटवार करते हुए नवनाथ बन ने कहा कि राऊत को ज्योतिषी की तरह भविष्यवाणी करना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के अहंकार से तंग आकर 40 विधायक अलग हुए। मुख्यमंत्री रहते हुए उद्धव ठाकरे न जनता से मिलते थे, न कार्यकर्ताओं, विधायकों या मंत्रियों से, यही कारण था कि उनका साथ विधायकों ने छोड़ा।

पश्चिम रेलवे ने विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाए

ट्रेन नंबर	प्रारंभ स्टेशन और गंतव्य स्टेशन	चलने के दिन	कब तक बढ़ाया गया
04828	बांद्रा टर्मिनस - भगत की कोठी	रविवार	01.03.2026
04827	भगत की कोठी - बांद्रा टर्मिनस	शनिवार	28.02.2026
09622	बांद्रा टर्मिनस - अजमेर	सोमवार	23.02.2026
09621	अजमेर - बांद्रा टर्मिनस	रविवार	22.02.2026
04728	वलसाड - हिसार	गुरुवार	26.02.2026
04727	हिसार - वलसाड	बुधवार	25.02.2026

समय-सारिणी, ठहराव (हॉल्ट) एवं रेक संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ।

ट्रेन संख्या 04828, 09622 एवं 04728 के विस्तारित फेरों (Extended Trips) की बुकिंग 28.01.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर प्रारंभ होगी। उपरोक्त सभी ट्रेनें विशेष किराया (Special Fare) पर विशेष ट्रेन के रूप में चलाई जाएँगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us & Follow us on:
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

जल अभियंता विभाग

क्र. कार्य.अभि. (परि.) ज.मा.का./8133/दिनांक : 27/01/2026

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा नीचे उल्लिखित विषयक कार्यों के लिए इच्छुक निविदाकारों से ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा वितरण एवं बिक्री की तिथि और समय तथा निविदा बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय से संबंधित विस्तृत जानकारी बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महाटेंडर पोर्टल http://maha-tenders.gov.in पर "निविदा अवलोकन" के अंतर्गत प्रकाशित / अपलोड की गई है।

क्रमांक	निविदा विवरण	निविदा का विषय
1	2026_MCGM_1271580_1 निविदा जारी एवं बिक्री की तिथि : 28.01.2026	"सहायक अभियंता जलकार्य (परि.) पश्चिम उपनगर / उत्तर-2 के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत गांधीनगर, साईबाबा नगर, कैलासनगर तथा सोनू भोईर चाळ पंपिंग स्टेशन स्थित पंपिंग सेटों के संचालन, रखरखाव एवं संरक्षण का कार्य।"

निविदाकारों से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी हेतु महाटेंडर पोर्टल http://mahatenders.gov.in तथा बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in पर अवश्य देखें।

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (परि.)
जल अभियंता विभाग

पीआरओ/2780 / विज्ञा./ 2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ठोस कचरा प्रबंधन विभाग (योजना)

पत्र क्रमांक : उप मुख्य अभियंता / 6420 / SWM / योजना दिनांक : 27.01.2026

ई-निविदा सूचना

विषय	:	"H/वेस्ट वार्ड में संकरी गलियों से कचरा संग्रहण हेतु छोटे कचरा ई-वाहन (ई-ऑटो रिक्शा) की सेवाएँ किराये पर लेना – 02 नग"
विभाग	:	ठोस कचरा प्रबंधन / उप मुख्य अभियंता (SWM) योजना
निविदा आईडी क्रमांक	:	2025_MCGM_1272056_1
बोली प्रारंभ दिनांक एवं समय	:	28.01.2026, प्रातः 11:00 बजे से
बोली समाप्ति दिनांक एवं समय	:	04.02.2026, सायं 16:00 बजे तक
वेबसाइट	:	https://mahatenders.gov.in
संपर्क अधिकारी विवरण		
(a) नाम	:	श्री हेमंत भुसारे, सहायक अभियंता (SWM) योजना
(b) दूरध्वनी	:	022-23844450
(c) मोबाइल नंबर	:	9762006449
(d) ई-मेल आईडी	:	ee1swm.pl@mcgm.gov.in

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (ठोस कचरा प्रबंधन) – योजना

पीआरओ / 2785/ विज्ञा./ 2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

50% बसें होंगी इलेक्ट्रिक

मंत्री प्रताप सरनाईक ने डिपो में चार्जिंग स्टेशन लगाने के दिए आदेश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (MSRTC/ST महामंडल) ने सार्वजनिक परिवहन को पूरी तरह से बदलने और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। परिवहन मंत्री और MSRTC के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने निगम को निर्देश दिया है कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए बस डिपो में इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) के लिए बुनियादी सुविधाएं तत्काल प्रभाव से स्थापित की जाएं।

बुनियादी ढांचे और पावर सप्लाई का अपग्रेडेशन

20 जनवरी को जारी निर्देशों के अनुसार, चार्जिंग स्टेशन स्थापित करते समय केवल आज की नहीं, बल्कि भविष्य की बिजली खपत का भी आकलन करने को कहा गया है। बिजली आपूर्ति क्षमता बढ़ाने और पुराने ट्रांसफार्मर को अपग्रेड करने के निर्देश दिए गए हैं। चार्जिंग सिस्टम को इतना मजबूत और सुरक्षित बनाने पर जोर दिया गया है कि अत्यधिक उपयोग (Overload) के बावजूद सेवाओं में कोई रुकावट न आए।

50% बेड़े को इलेक्ट्रिक करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

निगम ने एक दीर्घकालिक और महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है, जिसके तहत भविष्य में MSRTC के बेड़े की कुल बसों में से 50 प्रतिशत बसें इलेक्ट्रिक होंगी। मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया है कि केवल बसें खरीदना काफी नहीं है, बल्कि उनका सफल संचालन मजबूत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है। इसलिए, अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मौजूदा डिपो को इलेक्ट्रिक चार्जिंग सिस्टम के अनुकूल बनाने की प्रक्रिया में देरी न करें।

पेट्रोल-डीजल स्टेशनों की जगह EV को प्राथमिकता

मंत्री ने नीतिगत बदलाव करते हुए स्पष्ट किया है कि भविष्य में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के तहत जो भी ईंधन और ऊर्जा बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा, उसमें पारंपरिक पेट्रोल और डीजल स्टेशनों के बजाय इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशनों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मंत्री चंद्रकांत पाटिल पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र में 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों से पहले राजनीतिक तनाव बढ़ गया है, जब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कैबिनेट मंत्री चंद्रकांत पाटिल पर विपक्षी उम्मीदवारों को अपना नामांकन वापस लेने के लिए दबाव बनाने और सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से सख्त कार्रवाई की मांग की। सपकाल के अनुसार, सांगली जिले में एक कार्यक्रम के दौरान पाटिल ने खुलेआम कहा कि विपक्ष के जीतने की कोई संभावना नहीं है, इसलिए वे अपना समय और धन बर्बाद न करें, जो आचार संहिता और निष्पक्ष चुनाव की भावना का उल्लंघन है। उन्होंने राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे को पत्र लिखकर मंत्री के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज करने और उनकी जनसभाओं पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पत्र में इस बात पर जोर दिया कि स्वतंत्र चुनाव कराना निर्वाचन आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "जब सरकार का कोई जिम्मेदार मंत्री विपक्षी उम्मीदवारों को डराने या उन्हें चुनाव से हटने के लिए मजबूर करने की कोशिश करता है, तो यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है।"

मध्य रेल
खुली निविदा सूचना

मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण मध्य रेलवे, तीसरी मंजिल, नया प्रशासनिक भवन, दादाभाई नवरोजी रोड, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई–400 001 भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए, नीचे दिए गए काम के लिए जाने–माने ठेकेदारों से बेबसाइट के जरिए ऑनलाइन खुली निविदा मंगाता है:– **ई–निविदा सूचना संख्या:** एलसी–डब्ल्यू के एस–जीसी–2025–26 दिनाक: 23.01.2026; **कार्य का नाम:** विद्युत निर्माण मध्य रेलवे मुख्यालय के लिए सामान्य सलाहकार की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव निवेदन (आरएफपी); **लगभग निविदा लागत:** रु. 3,12,61,965.68 (रुपये तीन करोड़, बारह लाख, इकसठ हजार, नौ सौ पैंसठ और अड़सठ पैसे केवल); **बयाना राशि जमा (ईएमडी):** रु. 3,06,300/– (रुपये तीन लाख, छह हजार, तीन सौ केवल); **बोली का प्रकार:** सामान्य निविदा; **बोली प्रणाली:** दो पैकेट प्रणाली; **बोली लगाने की शैली:** प्रत्येक अनुसूची के लिए एक ही दर; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य; **पूर्ण होने की अवधि:** मानसून सहित 24 (चौबीस) महीने; **प्रस्ताव की वैधता:** 120 (एक सौ बीस) दिन; **बेबसाइट का पता: http://www.ireps.gov.in; निविदा दस्तावेज की उपलब्धता:** निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज ऊपर दी गई वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं।; **पूर्व बोली सम्मेलन की तिथि और समय:** 06.02.2026 को दोपहर 12:00 बजे; **प्रश्न प्राप्त करने की अंतिम तिथि:** 09.02.2026; **बोली शुरू होने की तिथि:** 24.02.2026; **बोली की नियत तिथि और समय:** 10.03.2026 को दोपहर 3 बजे; **बोली खोलने की तिथि और समय:** 10.03.2026 को दोपहर 3 बजे, अगर उस तिथि को छुट्टी होती है, वो बोली/निविदाएं अगले दिन ऊपर बताए गए समय पर खोले जाएंगे।; **संघ/संयुक्त उद्यम:** अनुमत– 3 सदस्य; **ऊपर बताए गए कार्मों के लिए निविदा देने वालों के लिए जरूरी टिप्पणी: क)** निविदा प्रक्रिया केवल ई–निविदा के माध्यम से ही होगी। सभी इच्छुक निविदाकर्ताओं को पहले आईआरईपीएस वेबसाइट पर पंजीकरण कराना होगा। **ख)** इच्छुक निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपना प्रस्ताव इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा करने से पहले निविदा के नियमों और शर्तों, पात्रता मानदंडों आदि से संबंधित विवरण अवश्य देखें। **ग)** निविदा दस्तावेज और समय–समय पर जारी किए गए शुद्धिपत्र निविदा खुलने से कम से कम 15 दिन पहले इस वेबसाइट पर उपलब्ध होते हैं और इन्हें वेबसाइट पर देखा जा सकता है। **घ)** वित्तीय दर पृष्ठ में दर्ज और विधिवत डिजिटल हस्ताक्षरित दरें ही मान्य होंगी। **ङ)** संलग्न दस्तावेजों पर निविदाकर्ता के हस्ताक्षर होने चाहिए। DE-850

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है।

संपादकीय

कंक्रीट के जंगल और सूखती संवेदनाएं

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन में एक प्रोफेसर की मामूली बात पर हत्या केवल एक आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के मानसिक स्वास्थ्य और गिरते नैतिक स्तर का एक भयावह आईना है। जब विकास की परिभाषा केवल चौड़ी सड़कों, चमचमाती इमारतों और हाई-टेक अस्पतालों तक सिमट जाती है, तब समाज अक्सर अपनी आत्मा और सहनशीलता (Tolerance) खो देता है। मलाड स्टेशन पर हुई यह हृदयविदारक घटना इस बात का प्रमाण है कि हम 'सभ्यता' की सीढ़ियाँ तो चढ़ रहे हैं, लेकिन 'संस्कार' की ढलान पर तेजी से फिसल रहे हैं। अक्सर किसी राष्ट्र की प्रगति का पैमाना उसकी जीडीपी, बुनियादी ढांचे और तकनीकी कौशल से मापा जाता है। निःसंदेह ये आवश्यक हैं, लेकिन क्या केवल ईंट-पत्थरों से बना ढांचा एक 'सक्षम राष्ट्र' कहलाने का हकदार है? राष्ट्र केवल मानचित्र पर खिंची लकीरें या कंक्रीट के ब्लॉक नहीं होते; राष्ट्र अपने नागरिकों के चरित्र, उनके आपसी व्यवहार और उनके 'बेहतर दिमाग' से बनते हैं। यदि एक नागरिक दूसरे नागरिक की जान लेने पर महज एक धक्के या रास्ते के विवाद में उतारू है, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमारा सामाजिक ढांचा भीतर से खोखला हो चुका है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, आर्थिक दबाव और डिजिटल दुनिया के एकाकीपन ने मनुष्य को एक ऐसे 'प्रेशर कुकर' में बदल दिया है, जो कभी भी फट सकता है। 'तत्काल संतुष्टि' (Instant Gratification) के इस दौर में धैर्य या सहनशीलता जैसे शब्द शब्दकोशों तक सीमित रह गए हैं। सड़क पर मामूली कट लग जाने पर होने वाला 'रोड रेज' हो या ट्रेन में सीट को लेकर होने वाला हिंसक झगड़ा—यह सब इस बात का संकेत है कि व्यक्ति के भीतर का 'क्रोध प्रबंधन' पूरी तरह विफल हो चुका है। हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ संवाद की जगह हिंसा ने और तर्क की जगह आवेश ने ले ली है। एक बेहतर दिमाग ही एक बेहतर राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल डिग्रियां बांटना या कुशल श्रमिक तैयार करना नहीं, बल्कि संवेदनशील नागरिक तैयार करना होना चाहिए। विडंबना देखिए कि जिस प्रोफेसर की हत्या हुई, वह स्वयं शिक्षा जगत के स्तंभ थे। यह घटना चीख-चीख कर कह रही है कि हमारे शिक्षा तंत्र और सामाजिक परवरिश में 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' (Emotional Intelligence) के लिए अब कोई जगह नहीं बची है। इसके अतिरिक्त, मानसिक स्वास्थ्य को आज भी हमारे समाज में गंभीरता से नहीं लिया जाता। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि कुंठा, निरंतर तनाव और अनियंत्रित क्रोध एक ऐसी बीमारी है जिसका समय पर उपचार आवश्यक है, तब तक ऐसी हिंसक प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना कठिन होगा। राष्ट्र के स्वास्थ्य का अर्थ केवल अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि नागरिकों के मानसिक आरोग्य के लिए एक स्वस्थ वातावरण तैयार करना भी है। यह समय केवल शोक मनाने का नहीं, बल्कि आत्म-मंथन का है। प्रशासन को कानून का खौफ पैदा करना ही होगा, लेकिन समाज के तौर पर हमें यह सोचना होगा कि हम आने वाली पीढ़ियों को कैसा भविष्य सौंप रहे हैं। क्या हम उन्हें केवल प्रतिस्पर्धी मशीनें बना रहे हैं या उन्हें एक-दूसरे का सम्मान करने वाला इंसान भी बना रहे हैं? सड़कें बन जाएंगी, आधुनिक अस्पताल खड़े हो जाएंगे और इमारतें भी आसमान छू लेंगी, लेकिन यदि उनमें रहने वाला मनुष्य भीतर से हिंसक और संवेदनहीन रहा, तो यह भौतिक विकास बेमानी है। एक महान राष्ट्र की पहचान उसकी इमारतों की ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के विवेक और चरित्र की गहराई से होती है। अब समय आ गया है कि हम ईंट-गारे के निर्माण से आगे बढ़कर 'बेहतर दिमाग' और 'बेहतर इंसान' बनाने की नींव रखें।

प्रिंटिंग मशीनें : आधुनिक क्षमता, भारत में उत्पादन और व्यापार

मुनीब चौरसिया
युवा पत्रकार

प्रिंटिंग मशीनों ने आज सूचना, विज्ञापन, पैकेजिंग और व्यवसायिक सामग्री के उत्पादन में केंद्रीय भूमिका निभाई है। तकनीकी प्रगति, डिजिटल समाधानों का विकास और बाजार की बदलती मांगों ने प्रिंटिंग उद्योग को तेज़, सक्षम और प्रतिस्पर्धात्मक बना दिया है। आधुनिक प्रिंटिंग मशीनें अब केवल पृष्ठों पर स्याही लगाने का उपकरण नहीं रहीं, बल्कि ये दक्षता, गुणवत्ता, गति और लागत-प्रभावशीलता का संगम बन चुकी हैं। डिजिटल प्रिंटिंग प्रणाली बाजार की सबसे तेजी से बढ़ती तकनीकों में से एक बनी हुई है, जिसका भारत में राजस्व 2023 में लगभग 1457 .4 मिलियन यूएसडी था और 2030 में लगभग 2674 .0 मिलियन यूएसडी तक पहुंचने का अनुमान है।

यह 9.1 प्रतिशत की कम्पाउंड वार्षिक वृद्धि दर का संकेत देता है, जो निरंतर मांग की ओर इंगित करता है। डिजिटल मशीनें प्रति घंटे हजारों पृष्ठों का उत्पादन कर सकती हैं, जिससे छोटे बैच और ऑन-डिमांड प्रिंटिंग को प्रभावी तरीके से संभालना आसान हो गया है। उच्च-गति डिजिटल इंकजेट प्रिंटर बड़े पैमाने पर पैकेजिंग, विज्ञापन और बड़े-फॉर्मेट प्रिंटिंग का कार्य समय और लागत बचाते हुए संपन्न करती हैं। फ्लेक्सोग्राफिक और ग्रेव्योर मशीनें पैकेजिंग और लेबलिंग उद्योग की रीढ़ बन गई हैं, जो रोल-टू-रोल उत्पादन में दक्षता बढ़ा रही हैं और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान कर रही हैं। नई तकनीक वाली मशीनें उच्च गुणवत्ता और तेज़ उत्पादन क्षमता प्रदान करती हैं, जिससे व्यवसायिक कंपनियों को समय पर उत्पादन पूरा करने में मदद मिलती है। भारत की प्रिंटिंग मशीनें उद्योग की स्थिति भी मजबूत है। देश के कुल प्रिंटिंग उद्योग का वार्षिक राजस्व 250,00 करोड़ रुपये से अधिक बताया गया है, जिसमें लगभग 250,000 प्रिंटिंग कंपनियाँ कार्यरत हैं और उद्योग लगभग 90,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है। यह आंकड़े इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि भारत में प्रिंटिंग उद्योग पारंपरिक प्रिंट से आगे बढ़कर एक बड़े आर्थिक क्षेत्र में परिवर्तित हो रहा है, जो रोजगार, बाजार विस्तार और तकनीकी अपनाने के अवसर देता है। भारत में प्रिंटिंग उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। स्थानीय निर्माता डिजिटल और ऑफसेट मशीनें विकसित कर रहे हैं, जो छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए किफायती समाधान प्रदान करती हैं। प्रिंट शॉप, पुस्तक प्रकाशन इकाइयाँ और पैकेजिंग कंपनियाँ अब ऑन-डिमांड और कस्टम प्रिंटिंग की ओर बढ़ रही हैं। खासकर इंक-टैंक और बड़े-फॉर्मेट प्रिंटरों की लोकप्रियता बढ़ रही है, जो कम पृष्ठ-प्रति-लागत और ऊर्जा-कुशल समाधान प्रदान करते हैं। जापानी कंपनी एप्सन भारत में इस तकनीक के विस्तार को बढ़ावा दे रही है, जहाँ उसकी स्थानीय वार्षिक बिक्री करीब 2,500 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुँच चुकी है। भारत उद्योग में उन्नत प्रिंटिंग मशीनों का आयात भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जापान, अमेरिका और यूरोप से मशीनें उच्च गति, उन्नत रंग प्रबंधन और स्वचालित संचालन सुविधाओं के साथ आती हैं। आंकड़ों के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष लगभग 69 नए प्रिंटिंग प्रेस आयात किए जाते हैं, जिनमें प्रमुख नाम कॉमोरी, हाइडेलबर्ग और आरएमजीटी शामिल हैं, जबकि साथ ही करीब 2,000 पूर्व-उपयोग किए गए प्रेस भी देश में आयात होते हैं। यह दिखाता है कि उच्च तकनीकी और पुराने उपकरण दोनों की मांग बाजार में मौजूद है,

जिससे छोटे और बड़े दोनों वर्ग के व्यवसाय लाभ उठाते हैं। मशीनों का व्यापार केवल बिक्री तक सीमित नहीं है। यह सेवा, स्पेयर पार्ट्स, रख-रखाव और सलाहकार सेवाओं तक फैल चुका है। पुराने प्रेसों की मरम्मत और उन्नयन व्यवसाय भी फल-फूल रहा है। डेटा-आधारित मंचों ने व्यवसायियों को मशीनों की स्थिति और क्षमता के आधार पर निर्णय लेने में सहायता प्रदान की है। हालांकि, छोटे व्यवसायों के लिए चुनौतियाँ भी हैं। भारत में कर प्रणाली और टैक्स नियम छोटे प्रिंटिंग प्रेस मालिकों को नकदी प्रवाह और कार्यशील पूंजी की समस्या में डालते हैं, जिससे संचालन प्रभावित हो सकता है। कुछ रिपोर्टें बताती हैं कि जी-एस-टी की असंगत दरें छोटे प्रिंटरों को वित्तीय दबाव में डाल चुकी हैं, जिससे उन्हें अपने खर्चों और कर्मचारियों के वेतन का प्रबंधन करना कठिन हो गया है। बाजार में अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। तकनीक और मशीनों की उन्नति नई कंपनियों के लिए अवसर खोल रही है। डिजिटल प्रिंटिंग और कस्टम प्रिंटिंग की मांग तेजी से बढ़ रही है, खासकर पैकेजिंग उद्योग में, जहाँ उच्च गुणवत्ता और तेज़ उत्पादन की आवश्यकता अधिक है। भारतीय व्यापार को एक बड़ा लाभ यह है कि पैकेजिंग प्रिंटिंग ने उद्योग को ठहराव से बढ़कर नए विस्तार की ओर धकेला है, जिससे यह संकट के समय भी जीवित और विकसित रहा है। आने वाले वर्षों में डिजिटल प्रिंटिंग की मांग और भी बढ़ने की संभावना है। ऑन-डिमांड प्रिंटिंग, कस्टम प्रिंट और पैकेजिंग उद्योग की वृद्धि नए अवसर खोल रही है। उन्नत डिजिटल प्रणाली, इंटरनेट-सक्षम मशीनें और ऊर्जा-कुशल समाधान भविष्य में उद्योग का केंद्र बनेंगे। आज प्रिंटिंग मशीनें केवल उपकरण नहीं हैं, बल्कि व्यवसाय की रीढ़ बन चुकी हैं। आधुनिक मशीनों की क्षमता, विदेशी तकनीक और घरेलू उत्पादन ने भारत के प्रिंटिंग उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खड़ा कर दिया है। छोटे व्यवसायों से लेकर बड़े कॉर्पोरेट प्रिंट हाउस तक, ये मशीनें उत्पादन, गुणवत्ता और लागत के दृष्टिकोण से उद्योग को नई दिशा दे रही हैं। प्रिंटिंग उद्योग न केवल व्यवसायिक जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि रोजगार, कौशल विकास और आर्थिक वृद्धि में भी योगदान देता है। डिजिटल और ऑफसेट प्रिंटिंग तकनीक ने व्यवसायों को तेज, भरोसेमंद और लागत-प्रभावी समाधान दिया है। भविष्य में तकनीक और नवाचार के साथ, भारत का प्रिंटिंग उद्योग और अधिक विकसित होने की संभावना रखता है। प्रिंटिंग मशीनें व्यवसाय, सूचना और कला के संगम का प्रतीक हैं। आधुनिक मशीनें उच्च गुणवत्ता, तेज उत्पादन और लागत-कुशल समाधान प्रदान करती हैं। भारतीय उद्योग इन अवसरों को पहचान कर तकनीक अपनाने में तेजी दिखा रहा है। आने वाले समय में प्रिंटिंग उद्योग का महत्व और बढ़ेगा, क्योंकि डिजिटल प्रिंटिंग और कस्टम प्रिंटिंग की मांग निरंतर बढ़ती जा रही है। भारत में प्रिंटिंग मशीनों का उद्योग अब न केवल उत्पादन के लिए, बल्कि नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए भी महत्वपूर्ण बन गया है। यह उद्योग व्यवसाय, तकनीक और अर्थव्यवस्था के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्थापित हो चुका है।

जीवन मंत्र

आज के समय में धर्म को अक्सर बाहरी पहचान, रीति-रिवाज और दिखावे तक सीमित कर दिया गया है। पूजा-पाठ, वेशभूषा और परंपराएं महत्वपूर्ण हो सकती हैं, लेकिन वे तब तक अधूरी हैं, जब तक उनमें मानव के प्रति संवेदना न हो।

मानव प्रेम ही असल में धर्म

धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना है, न कि उसे एक-दूसरे से अलग करना। जब धर्म प्रेम, करुणा और संवेदना से जुड़ता है, तभी वह अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट होता है। मानव प्रेम ही वह आधार है, जिस पर किसी भी धर्म की इमारत खड़ी होती है। यदि धर्म में मानवता नहीं है, तो वह केवल कर्मकांड बनकर रह जाता है। सभी धर्मों और आध्यात्मिक परंपराओं का केंद्रीय संदेश एक ही है—प्रेम। चाहे वह "वसुधैव कुटुंबकम्" का विचार हो, "सर्वे भवन्तु सुखिनः" की कामना हो, या फिर "अपने पड़ोसी से प्रेम करो" का उपदेश—हर जगह मानव प्रेम को ही धर्म का सार माना गया है। धर्म का उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर करुणा, सहनशीलता और सहअस्तित्व की भावना जगाना है। आज के समय में धर्म को अक्सर बाहरी पहचान, रीति-रिवाज और दिखावे तक सीमित कर दिया गया है। पूजा-पाठ, वेशभूषा और परंपराएं महत्वपूर्ण हो सकती हैं, लेकिन वे तब तक अधूरी हैं, जब तक उनमें मानव के प्रति संवेदना न हो। भूखे को भोजन देना, दुखी को ढांढस बंधाना, पीड़ित के साथ खड़ा होना—यही धर्म का वास्तविक आचरण है। मानव प्रेम व्यक्ति को अहंकार से मुक्त करता है। जब हम दूसरों के दुख को अपना दुख समझते हैं, तभी हमारे भीतर सच्चा धर्म जन्म लेता है। प्रेम हमें सिखाता है कि हर मनुष्य, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या विचारधारा का हो, सम्मान और करुणा का अधिकारी है। धर्म यदि विभाजन पैदा करे, नफरत सिखाए या हिंसा को जन्म दे, तो वह अपने उद्देश्य से भटक जाता है। सच्चा धर्म वह है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए। इसलिए कहा जा सकता है कि मानव प्रेम ही असल में धर्म है—क्योंकि जहां प्रेम है, वहीं ईश्वर है, और जहां करुणा है, वहीं सच्ची आस्था का वास है।

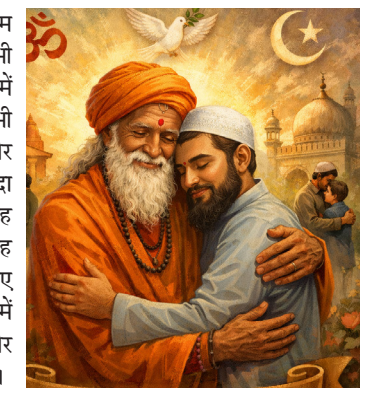

शख्सियत

लाला लाजपत राय

राष्ट्रचेतना के प्रखर प्रहरी

लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के फिरोजपुर जिले के धुड़ीके गांव (अब पाकिस्तान में स्थित) में हुआ था। वे ऐसे युग में जन्मे जब भारत पर ब्रिटिश शासन का दमनकारी साया था और समाज राजनीतिक चेतना से वंचित था। बाल्यकाल से ही उनके भीतर अन्याय के प्रति अस्वीकार और राष्ट्रप्रेम की भावना विद्यमान थी, जिसने आगे चलकर उन्हें भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों की पंक्ति में खड़ा कर दिया।

उनका पारिवारिक माहौल संस्कार, शिक्षा और नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण था। उनके पिता मुंशी राधा कृष्ण आजाद विचारों वाले शिक्षक थे, जिनके व्यक्तित्व में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना स्पष्ट रूप से दिखाई देती थी। माता गुलाब देवी धार्मिक, सहनशील और त्यागमयी महिला थीं। माता-पिता के संस्कारों ने लाला लाजपत राय के व्यक्तित्व को वैचारिक मजबूती, आत्मविश्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से गढ़ा। घर का वातावरण देश, धर्म, समाज और सेवा भाव से ओत-प्रोत था, जिसने उनके चरित्र को प्रारंभ से ही दृढ़ बना दिया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय विद्यालय में हुई। आगे चलकर उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज में अध्ययन किया और कानून की पढ़ाई पूरी की। शिक्षा के दौरान ही वे सामाजिक सुधार आंदोलनों और राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़ गए थे। वे केवल डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी नहीं थे, बल्कि विचारशील, प्रश्न करने वाले और समाज के लिए सोचने वाले युवा के रूप में विकसित हो रहे थे। शिक्षा ने उनके भीतर विवेक, तर्क और वैचारिक स्पष्टता को जन्म दिया।

कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने वकालत को करियर के रूप में अपनाया, लेकिन उनका जीवन केवल एक सफल वकील बनकर सीमित नहीं रहा। वे शीघ्र ही सामाजिक कार्य, शिक्षा, पत्रकारिता और राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय हो गए। उनका जीवन व्यक्तिगत उन्नति के बजाय राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित हो गया। उन्होंने समझ लिया था कि भारत की वास्तविक मुक्ति केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, शिक्षा और आत्मगौरव से संभव है। लाला लाजपत राय का योगदान बहुआयामी था। वे आर्य समाज से जुड़े और समाज सुधार आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय चेतना के निर्माण हेतु अनेक संस्थानों की स्थापना की, जिनमें दयानंद एंग्लो वैदिक (DAV) संस्थाएं प्रमुख हैं। वे "लाल–बाल–पाल" त्रयी के प्रमुख स्तंभ थे—लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल—जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को उग्र राष्ट्रवाद की वैचारिक दिशा दी। उन्होंने ब्रिटिश शासन की नीतियों का निर्भीक विरोध किया, विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया। 1928 में साइमन कमीशन के विरोध के दौरान लाठीचार्ज में गंभीर रूप से घायल होना उनके जीवन का निर्णायक मोड़ बना। उन्होंने कहा था—"मेरे शरीर पर पड़ी हर लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत में आखिरी कील बनेगी।" यह कथन केवल शब्द नहीं, बल्कि राष्ट्रबलिदान की चेतना का उद्घोष था। लाला लाजपत राय का महत्व केवल एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में नहीं, बल्कि एक विचारक, शिक्षाविद्, समाज सुधारक और राष्ट्रनिर्माता के रूप में है। वे आत्मसम्मान, स्वदेशी, शिक्षा और राष्ट्रचेतना के प्रतीक थे। उन्होंने भारत को यह सिखाया कि स्वतंत्रता केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि आत्मबोध और आत्मनिर्भरता की प्रक्रिया है।

जीवन ऊर्जा

जोसे जूलियन मार्ती : जन्म 28 जनवरी 1853

जन्म

जोसे जूलियन मार्ती का जन्म 28 जनवरी 1853 को हवाना (क्यूबा) में हुआ। वे क्यूबा के राष्ट्रीय नायक, क्रांतिकारी, लेखक और दार्शनिक थे। स्पेनिश उपनिवेशवाद के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया। उनका जीवन दर्शन मानव गरिमा, स्वतंत्रता और राष्ट्रीय आत्मसम्मान पर आधारित था।

सच्ची स्वतंत्रता सेवा और करुणा से आती है

स्वतंत्रता का मूल्य त्याग से चुकाया जाता है। मनुष्य की पहली जिम्मेदारी उसकी गरिमा है। राष्ट्र केवल भूमि नहीं, विचार होता है। बिना नैतिकता के स्वतंत्रता खोखली है। शिक्षा ही सच्ची क्रांति का आधार है। अन्याय के सामने मौन भी अपराध है। मानवता किसी सीमा में बंधी नहीं होती। प्रेम और साहस से ही राष्ट्र बनते हैं। स्वतंत्र मन ही स्वतंत्र देश रचता है। गुलामी शरीर की नहीं, चेतना की होती है। विचारों की आज़ादी सबसे बड़ा हथियार है। जो अन्याय सहता है, वह उसे मजबूत करता है। सच्चा देशभक्त मानवता से शुरू करता है। संस्कृति आत्मा की आवाज़ है। भय से नहीं, विश्वास से समाज चलता है। शब्द भी तलवार जितने शक्तिशाली होते हैं। आत्मसम्मान के बिना जीवन अधूरा है। राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं में होता है। स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं, संघर्ष का फल है। सत्य हमेशा सत्ता से बड़ा होता है। जो मानवता से प्रेम नहीं करता, वह देश से भी नहीं कर सकता। न्याय के बिना शांति असंभव है। विचारों की गुलामी सबसे खतरनाक है। मनुष्य को मनुष्य के रूप में देखना ही दर्शन है। क्रांति पहले मन में जन्म लेती है। नैतिक साहस सबसे बड़ी शक्ति है। स्वतंत्रता की रक्षा रोज़ करनी पड़ती है। शब्दों से विचार और विचारों से इतिहास बनता है। मानव गरिमा हर संघर्ष का केंद्र है। सच्ची स्वतंत्रता सेवा और करुणा से आती है। स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह सबके लिए हो। जो डर पर जीत पा लेता है, वही सच में आज़ाद होता है। राष्ट्र की आत्मा उसके नैतिक चरित्र से पहचानी जाती है। विचारों को कैद नहीं किया जा सकता, वे समय से आगे चलते हैं। जहां अन्याय होता है, वहां संघर्ष जन्म लेता है। बल से दबाया गया सत्य और अधिक प्रखर होकर लौटता है। सच्चा साहस हथियार उठाने में नहीं, सत्य बोलने में है। मानव प्रेम के बिना देशभक्ति केवल नारा बन जाती है। जो शिक्षा को कमजोर करता है, वह भविष्य को अंधकार देता है। स्वतंत्रता की सबसे बड़ी रक्षा जागरूक नागरिक करता है।

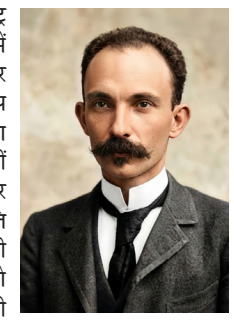

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

देवर्षि नारद: निरंतर गतिशील भक्ति और मानवता का संदेश

सनातन धर्म की परंपरा में देवर्षि नारद एक ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व हैं, जिनका जीवन ठहराव नहीं, बल्कि निरंतर गति का प्रतीक है। वे कहीं रुकते नहीं, किसी एक स्थान पर अधिक समय नहीं बिताते। इसके पीछे केवल कोई श्राप नहीं, बल्कि सृष्टि, धर्म और लोककल्याण से जुड़ा गहरा दर्शन निहित है। नारद जी का जीवन यह सिखाता है कि जब उद्देश्य व्यापक हो, तब व्यक्ति की यात्रा भी व्यापक हो जाती है। देवर्षि नारद को ब्रह्मा जी के सात मानस पुत्रों में से एक माना गया है। देवताओं के ऋषि होने के कारण उन्हें 'देवर्षि' की उपाधि प्राप्त हुई। वे अपने ज्ञान, विवेक और सत्यप्रियता के कारण देवताओं और दैत्यों—दोनों के बीच समान सम्मान प्राप्त करते थे। नारद अजर-अमर हैं और भगवान विष्णु के परम भक्त माने जाते हैं। उनके जीवन का केंद्र भक्ति है, किंतु यह भक्ति संकीर्ण नहीं, बल्कि लोकमंगल की भावना से परिपूर्ण है। पुराणों में वर्णित है कि ब्रह्मा जी ने नारद जी को सृष्टि विस्तार का कार्य सौंपा था। किंतु नारद जी का मन सांसारिक विस्तार की अपेक्षा आत्मिक उन्नति की ओर अधिक उन्मुख था। उन्होंने पिता के आदेश को स्वीकार नहीं किया। इस कारण ब्रह्मा जी ने उन्हें आजीवन अविवाहित रहने का श्राप दिया। यह श्राप नारद जी के लिए बंधन नहीं, बल्कि उन्हें सांसारिक मोह से मुक्त करने का साधन बन गया, जिससे वे संपूर्ण सृष्टि के कल्याण के लिए स्वतंत्र होकर विचरण कर सकें। देवर्षि नारद को सृष्टि का प्रथम संदेशवाहक भी कहा जाता है। वे तीनों लोकों—देवलोक, मृत्युलोक और पाताललोक—में निरंतर भ्रमण करते हुए विचारों, सूचनाओं और चेतना का आदान-प्रदान करते थे। वे केवल समाचार नहीं पहुंचाते थे, बल्कि जहां भी जाते, वहां धर्म, विवेक और आत्मबोध की ज्योति प्रज्वलित करते थे। उनका उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना और ईश्वर से जोड़ना था। नारद जी के निरंतर भ्रमण के पीछे प्रजापति दक्ष से जुड़ी एक महत्वपूर्ण कथा मिलती है। दक्ष प्रजापति की पत्नी आसक्ति से दस हजार पुत्र उत्पन्न हुए थे। नारद जी ने उन पुत्रों को वैराग्य और मोक्ष का उपदेश दिया, जिससे वे सांसारिक राजपाठ छोड़कर आत्मिक मार्ग पर अग्रसर हो गए। इससे क्रोधित होकर दक्ष प्रजापति ने नारद जी को यह श्राप दिया कि वे किसी भी एक स्थान पर दो घड़ी से अधिक नहीं रुक पाएंगे। दक्ष को भय था कि यदि नारद जी समस्त मानव समाज को वैराग्य का उपदेश देने लगे, तो सृष्टि का विस्तार रुक जाएगा। यह श्राप भी वास्तव में नारद जी को लोककल्याण की सतत यात्रा पर बनाए रखने का माध्यम बन गया। वे एक स्थान पर रुकते नहीं, क्योंकि उनका कार्य किसी एक व्यक्ति या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वे चेतना के यात्री हैं, जिनका धर्म स्थिरता नहीं, बल्कि प्रवाह है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

कठोर तपस्या और साधना के बल पर नारद जी ने ब्रह्मर्षि का पद प्राप्त किया। वे भक्ति और संकीर्तन के आद्य आचार्य माने जाते हैं। उनकी वीणा 'महती' से निरंतर 'नारायण-नारायण' की ध्वनि निकलती रहती है, जो यह संदेश देती है कि ईश्वर स्मरण ही जीवन का सार है। उनकी भक्ति कर्महीन नहीं, बल्कि करुणा और सेवा से जुड़ी हुई है। देवर्षि नारद का जीवन हमें यह सिखाता है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को संसार से काटना नहीं, बल्कि उसे अधिक मानवीय बनाना है। उनका वैराग्य पलायन नहीं, बल्कि मोह से मुक्ति है।

अपने विचार

किसी भी मुद्दे पर विरोध करने से पहले तथ्यों और प्रक्रिया को समझना जरूरी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति का अधिकार सभी को है, लेकिन संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं के दायरे में रहकर ही अपनी बात रखनी चाहिए।

-संजय निषाद
अध्यक्ष, निषाद पार्टी

'योगी विरोधी खुश फहमी ना पालें, मेरा कथन योगी जी के विरुद्ध नहीं है, मैं उनके प्रति सम्मान, स्नेह एवं शुभकामना का भाव रखती हूं किंतु मैं इस बात पर कायम हूं कि प्रशासन कानून-व्यवस्था पर सख्ती से नियंत्रण करे लेकिन किसी के शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है, यह सिर्फ शंकराचार्य या विद्वत परिषद कर सकते हैं।'

-उमा भारती
वरिष्ठ नेत्री, भाजपा

'हमारी कुर्बानियों की बदौलत ही आज भाजपा सत्ता में है। हम इसे सहन नहीं करेंगे कि एक तरफ हमें महायुति धर्म का पालन करने को कहा जाए, वहीं दूसरी तरफ भाजपा नेता ऐसे बयान दें। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मैं इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात करूंगा।'

-संजय शिरसाट
नेता, शिवसेना(शिंदे)

यूजीसी के नए नियमों का विषय बहुत गंभीर है इसलिए मैं इसको अध्ययन कर रहा हूं। जो कुछ भी बोलूंगा बहुत सोच-समझकर बोलूंगा क्योंकि यह समाज से जुड़ा मुद्दा है। कोई सामंजस्य निकलना चाहिए इसलिए बिना जानकारी के मैं इस पर बोलना नहीं चाहता हूं। मैं अपनी बात कर रहा हूं।

-बृजभूषण शरण सिंह
नेता, भाजपा

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

1 लाख नोटबुक का वितरण

ठाणे। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और युवा सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के जन्मदिन के मौके पर, युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने ओवला माजीवाड़ा के स्कूल स्टूडेंट्स को 1 लाख नोटबुक वितरित करने की घोषणा की है। यह वितरण 31 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। पूर्वेश सरनाईक ने कहा कि जन्मदिन केवल खुशियां मनाने के लिए नहीं होता, बल्कि यह पब्लिक सर्विस का अनोखा अवसर है। उन्होंने बताया कि यह पहल हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर स्वर्गीय आनंद दिघे की समाजसेवा की सीख को आगे बढ़ाने का हिस्सा है। नोटबुक वितरण के जरिए लाखों बच्चों के चेहरों पर खुशी और संतोष लाना मकसद है। 31 जनवरी को शाम 6 बजे से 9 बजे के बीच शिवसेना शाखा क्रमांक 10 लोकमान्य नगर पाड़ा क्रमांक 4, शिवसेना शाखा पाड़ा क्रमांक 2 लोकमान्य नगर, शिवसेना शाखा वर्तक नगर, शिवसेना शाखा भीम नगर, शिवसेना शाखा शिवाई नगर, शिवसेना शाखा कोंकणी पाड़ा, शिवसेना शाखा वसंत विहार आदि में नोटबुक वितरित की जाएंगी। 1 फरवरी को शिवसेना शाखा नलपाड़ा, शिवसेना शाखा गांधीनगर, शिवसेना शाखा माजीवाड़ा गाँव, श्री हनुमान मंदिर वाघबिल, सरस्वती शिवसेना शाखा आनंदनगर और श्री हनुमान मंदिर, ओवाला में बच्चों को नोटबुक प्रदान की जाएंगी।

पश्चिम रेलवे द्वारा तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस–अजमेर स्पेशल को 23 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09621 अजमेर – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 22 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस – भगत की कोठी स्पेशल को 01 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 04728 वलसाड – हिसार स्पेशल को 26 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04727 हिसार – वलसाड स्पेशल को 25 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ठाणे जल्द होगा ट्रैफिक जाम से मुक्त

कोस्टल और एलिवेटेड रोड का काम जोरों पर: डिप्टी सीएम शिंदे

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे निवासियों को आश्वस्त किया है कि शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्त करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कोस्टल रोड और एलिवेटेड रोड जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का काम युद्धस्तर पर जारी है, और जल्द ही ठाणे के लोग एक सुगम और ट्रैफिक मुक्त सफर का अनुभव करेंगे। यह बात उन्होंने गणतंत्र दिवस के अवसर पर साकेत पुलिस ग्राउंड में आयोजित 'सड़क सुरक्षा सप्ताह कार्निवल' के उद्घाटन समारोह में कही।

सड़क सुरक्षा सप्ताह-2026 का आगाज

ठाणे ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा आयोजित 'सड़क सुरक्षा सप्ताह-2026' का भव्य शुभारंभ सोमवार को किया गया। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) से 28 जनवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय कार्निवल का उद्देश्य आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। साकेत के पुलिस स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित इस कार्यक्रम में नागरिकों को शिक्षित करने के लिए विभिन्न मनोरंजक और ज्ञानवर्धक गतिविधियां रखी गई हैं।

दिग्गजों की रही मौजूदगी

उद्घाटन समारोह में डिप्टी सीएम के साथ शहर के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इनमें विधायक संजय केलकर, पूर्व विधायक रवींद्र फाटक, जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजीत यादव, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. डी.एस. स्वामी और ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट शामिल थे।

'रोड सेफ्टी ही लाइफ सेफ्टी' और फुटपाथ अतिक्रमण पर निर्देश

जनसभा को संबोधित करते हुए शिंदे ने रोड सेफ्टी ही लाइफ सेफ्टी हैश के मंत्र पर जोर दिया। उन्होंने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए कि शहर में पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि फुटपाथ केवल पैदल चलने वालों के लिए हैं और उन्हें किसी भी प्रकार के अतिक्रमण या रुकावट से मुक्त रखा जाना चाहिए। इसके लिए मनपा, पुलिस और जिलाधिकारी को आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा गया। शिंदे ने बताया कि 'ड्रंक एंड ड्राइव' (शराब पीकर गाड़ी चलाना) के खिलाफ चलाए गए अभियानों से दुर्घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने कहा कि अगर सभी नागरिक नियमों का पालन करें तो एक्सीडेंट्स को रोका जा सकता है।

सोलापुर डिवीजन ने मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीजन ने 26 जनवरी 2026 को देशभक्ति के उत्साह के साथ 77वां गणतंत्र दिवस मनाया। सोलापुर स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रेलवे इंस्टीट्यूट ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) डॉ. सुजीत मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने आरपीएफ, सिविल डिफेंस और स्काउट्स की टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह

कार्यक्रम के दौरान डिविजनल कल्चरल एकेडमी द्वारा सांस्कृतिक नृत्य और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। आरपीएफ डॉग स्क्वाड ने विशेष डॉग शो में तीन लैब्राडोर कुत्तों के माध्यम से विस्फोटक पहचान और सुरक्षा कौशल का प्रदर्शन किया। इस मौके पर सोलापुर डिवीजन के 36 रेलवे कर्मचारियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। सीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ, सोलापुर की ओर से बाल विकास मंदिर स्कूल में, स्काउट एंड गाइड्स डेन और सिविल डिफेंस कार्यालय, गणेश हॉल कॉलोनी में ध्वजारोहण किया गया।

परेड, संदेश और संबोधन

ध्वजारोहण के बाद डीआरएम डॉ. सुजीत मिश्रा ने परेड की सलामी ली और सेंट्रल रेलवे के महाप्रबंधक का गणतंत्र दिवस संदेश पढ़कर सुनाया। उन्होंने अपने संबोधन में सभी रेलवे कर्मचारियों, उनके परिवारजनों और सम्मानित यात्रियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

भुसावल मंडल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

डीबीडी संवाददाता I भुसावल

भुसावल मंडल में 77वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 को उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल ने भुसावल रेलवे खेलकूद मैदान में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद रेलवे सुरक्षा बल, आरपीएफ डॉग स्क्वाड, नागरिक सुरक्षा, सेंट जॉन्स एम्बुलेंस तथा स्काउट्स और गाइड्स द्वारा अनुशासनबद्ध परेड के साथ सलामी दी गई। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक ने महाप्रबंधक का संदेश उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को सुनाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह

कार्यक्रम के दौरान भुसावल रेलवे स्कूल के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और देशभक्ति नृत्यों के जरिए गणतंत्र दिवस के महत्व को दर्शाया। आरपीएफ की ओर से आयोजित डॉग शो ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर मंडल के कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) मुकेश कुमार मीना सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

सीएसएमटी में महाप्रबंधक ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2026 को मध्य रेल मुख्यालय, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में मध्य रेल के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर उन्होंने रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टुकड़ी द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया और तिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

उपलब्धियों पर महाप्रबंधक का संबोधन

सभा को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने सभी रेलकर्मियों, उनके परिवारजनों और यात्रियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि मध्य रेल को माननीय रेल मंत्री द्वारा 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 में 5 व्यक्तिगत पुरस्कार और 5 शील्ड से सम्मानित किया गया है।

यात्री सुविधा, सुरक्षा और रेल विस्तार

यात्रा सुगमता की दिशा में सीएसएमटी–पनवेल हार्बर लाइन पर 14 एसी लोकल सेवाओं की शुरुआत और दो ईएमयू रेकों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष डिब्बों के प्रावधान की जानकारी दी गई। यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने फुट ओवर ब्रिज, रोड ओवर ब्रिज, रोड अंडर ब्रिज, लेवल क्रॉसिंग समाप्त करने, 171 लोकोमोटिव में कवच प्रणाली लगाने और रेल संपर्क विस्तार के तहत नई रेल लाइनों, मल्टीट्रैकिंग व विद्युतीकरण कार्यों का उल्लेख किया।

26 जनवरी पर शहर हुआ तिरंगामय

डीबीडी संवाददाता I भाईंदर

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर मीरा-भाईंदर शहर तिरंगामय हो गया। मीरा-भाईंदर महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने मनपा मुख्यालय में तथा एमबीवीवी पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने पुलिस आयुक्तालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

"राष्ट्र प्रथम" थीम

26 जनवरी की सुबह आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने मुख्यालय परिसर में वरिष्ठ अधिकारियों व नागरिकों की उपस्थिति में तिरंगा फहराकर देश का 77वां गणतंत्र दिवस मनाया। इसके बाद एमबीएमसी शिक्षा विभाग द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान में "राष्ट्र प्रथम" थीम के अंतर्गत मनपा स्कूलों के विद्यार्थियों का सामूहिक मार्चिंग अभ्यास आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्र प्रथम की भावना, देशभक्ति, आत्म-अनुशासन और स्वास्थ्य जागरूकता विकसित करना था। इस दौरान मनपा स्कूलों के लगभग 1000 विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर अनुशासित व लयबद्ध मार्चिंग प्रस्तुत की। शिक्षकों ने झंडावंदन के अवसर पर राष्ट्रगान और महाराष्ट्र राज्यगीत गाकर आज़ादी की लड़ाई में शहीद हुए वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

डॉ. राममनोहर त्रिपाठी की जयंती पर अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ सम्पन्न

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

महाराष्ट्र राज्य के पूर्व मंत्री, साहित्यकार, कवि और पत्रकार डॉ. राममनोहर त्रिपाठी की 95वीं जयंती के अवसर पर उनके निवास स्थान कुर्ला (पूर्व) में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पंडित शिवम मिश्रा ने पूनम अनुराग त्रिपाठी को यजमान बनाकर विधिवत पूजन, पाठ समापन एवं हवन सम्पन्न कराया। वहीं भक्ति गीत गायक अमरनाथ शर्मा एवं उनकी पार्टी ने संगीतमय श्रीरामचरितमानस पाठ प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

दिग्गजों की उपस्थिति

इस अवसर पर भाजपा महाराष्ट्र उपाध्यक्ष एवं महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह, पूर्व मंत्री नवाब मलिक, विधायक राजहंस सिंह, भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष एवं श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, उत्तर भारतीय संघ मुंबई अध्यक्ष संतोष सिंह, शिवसेना (उद्धव) प्रवक्ता आनंद दुबे, राकांपा (अजित) हिंदी भाषी सेल अध्यक्ष पारसनाथ तिवारी, मुंबई कांग्रेस युवा नेता एडवोकेट अवनीश तीर्थराज सिंह, डॉ. राधेश्याम तिवारी, समाज विकास पार्टी के अशोक सिंह, नगरसेवक नितेश राजहंस सिंह सहित अनेक राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों एवं समाजसेवियों सहित विभिन्न दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. राममनोहर त्रिपाठी की पावन स्मृति को नमन किया। अनुष्ठान के समापन पर वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी ने सभी आगंतुक अतिथियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

शिव साई सार्वजनिक महादेव मंदिर का जीर्णोद्धार

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

दिवा शहर के श्लोक नगर फेज-2 स्थित शिव साई सार्वजनिक महादेव मंदिर का जीर्णोद्धार 26 जनवरी 2026 को संपन्न हुआ। यह कार्य धड़काबाज युवा प्रतिष्ठान के संस्थापक अध्यक्ष अमोल धनराज केन्द्रे और सचिव सौ. अश्विनी अमोल केन्द्रे के माध्यम से कराया गया। वर्ष 2008 में स्थापित इस मंदिर की लंबे समय से दुर्व्यवस्था को देखते हुए नवनिर्माण और मूर्ति स्थापना का निर्णय लिया गया था।

अखंड रामायण और महाभंडारे का आयोजन

मंदिर जीर्णोद्धार के उपलक्ष्य में 25 से 26 जनवरी तक अखंड रामायण पाठ और महाभंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शिक्षाविद् बालगोविंद तिवारी और समाजसेवी रामबहादुर मौर्य उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और महाप्रसाद का लाभ उठाया।

अग्निशमन कर्मियों को मिलेगा "उत्कृष्ट आपत्ती सेवा मा.आयुक्त गौरव पदक" पुरस्कार

विरार। वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों जैसे बाढ़, आग और दुर्घटनाओं के दौरान अग्निशमन व आपातकालीन सेवा विभाग के कर्मचारी अपने प्राण की परवाह किए बिना अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, वर्ष 2025 में अतिवृष्टि के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कर्मचारियों ने अनेक नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। वहीं, विरार पूर्व के रमाबाई अपार्टमेंट में हुई ढांचे की दुर्घटना के समय अग्निशमन दल ने एनडीआरएफ टीम की मदद से लगातार 41 घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन कर जख्मी और मृतक नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला।

'बेस्ट' मुख्यालय में ध्वजारोहण

मुंबई। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'बेस्ट' मुख्यालय में महाप्रबंधक डॉ. सोनिया सेठी के हाथों ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद सुरक्षा विभाग द्वारा शानदार परेड और मानवंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र पोस्टल सर्कल में गणतंत्र दिवस समारोह

मुंबई। चीफ पोस्टमास्टर जनरल महाराष्ट्र सर्कल अमिताभ सिंह ने ध्वजारोहण किया और महाराष्ट्र पोस्टल सर्कल के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत" के सपने को 2047 तक साकार करने के लिए समर्पित प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम संविधान द्वारा प्रदत्त लोकतंत्र और स्वतंत्रता का लाभ उठा रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

वृष वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यापार ठीक चलेगा।

सिंह लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा।

कन्या स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

वृश्चिक पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी।

धनु थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मकर विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कुंभ उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा।

मीन वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

पितृ दोष – क्या यह सच में होता है या केवल मन का डर है?

यह सवाल लगभग हर उस व्यक्ति के मन में उठता है, जिसने अपने आसपास कुछ परिवारों को देखा है, जहाँ बाहर से सब कुछ ठीक दिखता है। अच्छी शिक्षा है, आर्थिक स्थिति भी ठीक-ठाक है, समाज में सम्मान भी मिलता है, घर भी सुंदर है, फिर भी जीवन में कुछ न कुछ अटका हुआ रहता है। कहीं शादियाँ नहीं हो पा रहीं, कहीं कारोबार बार-बार बनते-बिगड़ते हैं, कहीं स्वास्थ्य लगातार गिरता चला जाता है, तो कहीं अचानक कोई दुखद घटना घट जाती है। सबसे हैरानी की बात यह होती है कि ये समस्याएँ केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि पीढ़ी दर पीढ़ी दोहराती चली जाती हैं, मानो किसी अदृश्य धागे से सब कुछ बंधा हो।

यहीं से पितृ दोष का प्रश्न जन्म लेता है। बहुत से लोग इसे अंधविश्वास कहकर खारिज कर देते हैं। कुछ का

प्रियंका जैन
9769994439

मानना होता है कि यह डर फैलाने का तरीका है, ताकि लोग पूजा-पाठ और कर्मकांड में उलझे रहें। सच कहूँ तो यही सोच कभी मेरी भी थी। ज्योतिष में आने से पहले मैं तकनीकी और तार्किक सोच वाला व्यक्ति था। मेरा मानना था कि जो दिखाई देता है, वही सच है, और जो प्रमाण में न आए, वह कल्पना है। मैं खुद से पूछता था कि पूर्वज, जो इस संसार में नहीं हैं, वे हमारे आज के जीवन को कैसे प्रभावित कर सकते हैं?

लेकिन जब वर्षों तक गहन अध्ययन किया, हजारों कुंडलियों का विश्लेषण किया और अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों की जीवन कहानियाँ सुनीं, तब धीरे-धीरे एक पैटर्न स्पष्ट होने लगा। ऐसे परिवार, जिनमें बाहरी तौर पर कोई बड़ी कमी नहीं थी, फिर भी जीवन में एक ही तरह के संकट बार-बार आते थे। प्रयास बदलते रहे, उपाय बदलते रहे, मेहनत भी होती रही, लेकिन परिणाम वही रहे। इस अनुभव के बाद मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि पितृ दोष कोई काल्पनिक डर नहीं है। यह कोई थ्योरी नहीं, बल्कि उन लोगों का जीवित अनुभव है, जो इसे अपने जीवन में झेलते हैं। कुंडली के स्तर पर देखें तो कुछ विशेष ग्रह योग ऐसे हैं, जो बार-बार उन लोगों की जन्म कुंडलियों में दिखाई देते हैं, जिनके जीवन में पितृ दोष के संकेत स्पष्ट होते हैं। जैसे कार्तिक मास के आसपास जन्म, जब सूर्य कमजोर अवस्था में होता है और राहु का प्रभाव बढ़ जाता है। कहीं राहु का प्रथम भाव में होना, कहीं सिंह राशि में राहु का प्रभाव, कहीं पंचम या नवम भाव में राहु-केतु की स्थिति, कहीं सूर्य के साथ राहु का ग्रहण योग, कहीं चंद्रमा के साथ केतु, कहीं सूर्य का अष्टम या द्वादश भाव में होना। कई बार वास्तु से जुड़ी बातें भी सामने आती हैं, जैसे घर के नैऋत्य कोण में शौचालय या सेप्टिक टैंक का होना। इन सभी स्थितियों में जीवन की घटनाओं में एक अजीब समानता दिखाई देती है, चाहे व्यक्ति किसी भी समाज या क्षेत्र से क्यों न हो। पितृ दोष के लक्षण केवल कुंडली तक सीमित नहीं रहते, वे रोजमर्रा के जीवन में भी अजीब संकेतों के रूप में सामने आते हैं। जैसे कितनी भी सावधानी रखी जाए, भोजन में बार-बार बाल निकल आना। घर में छोटी-छोटी बातों पर अनावश्यक तनाव और झगड़े।

(क्रमशः)

न्यूज ब्रीफ

सक्रिय हुआ मौसम, बारिश–बर्फबारी की चेतावनी

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए हुए हैं और बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने प्रदेश में खराब मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। उत्तरकाशी, देहरादून, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में बारिश और बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। सभी जिलों में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। खराब मौसम को देखते हुए देहरादून, अल्मोड़ा और बागेश्वर में कक्षा 1 से 12 तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार एक फरवरी तक राज्य में रुक-रुक कर वर्षा और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात की संभावना बनी रहेगी। स्थिति पर नजर रखते हुए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जिलों को आवश्यक तैयारियां रखने के निर्देश दिए हैं।

यूजीसी के विरोध में सांसदों को भेजी गईं चूड़ियां

रायबरेली। यूजीसी से जुड़े विवादित प्रावधानों के खिलाफ रायबरेली में विरोध का अलग अंदाज देखने को मिला। किसान नेताओं और सामाजिक संगठनों ने सवर्ण वर्ग के सांसदों को प्रतीकात्मक रूप से चूड़ियां भेजकर नाराजगी जताई। भाजपा किसान मोर्चा नेता रमेश बहादुर सिंह ने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर रहे हैं और इसी असंतोष के चलते यह संदेश दिया गया है। वहीं, हिंदू रक्षा दल से जुड़े नेताओं ने भी आरोप लगाया कि यूजीसी से जुड़े मुद्दों पर निर्वाचित प्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए हैं। इस प्रतीकात्मक विरोध के दौरान जमकर नारेबाजी की गई और सरकार से यूजीसी से संबंधित निर्णयों पर पुनर्विचार की मांग की गई।

संविधान मूल्यों का संकल्प

अम्बेडकरनगर। जनपद अम्बेडकरनगर के बेवाना जन शिक्षण केंद्र, कुटियवा मुख्यालय पर 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर संस्था की सचिव पुष्पा पाल, संस्था सदस्य डॉ ओम अनादी गुप्ता, हरिराम, लालता प्रसाद, जन शिक्षण केंद्र के सामाजिक कार्यकर्ता, गांव के गणमान्य लोग, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद संस्था सचिव पुष्पा पाल ने संविधान के मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि संविधान ने महिलाओं को बराबरी, सम्मान और अधिकार की शक्ति दी है। साथ ही जन शिक्षण केंद्र द्वारा नारी संघ कार्यालय और जन शिक्षण फार्मर प्रोड्यूसर कार्यालय पर भी गणतंत्र दिवस मनाया गया। सावित्रीबाई फुले नारी संघ ने विभिन्न पंचायतों में नारी संघ बहनों के साथ उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित करते हुए महिला सशक्तिकरण को लोकतंत्र की मजबूती का आधार बताया। कार्यक्रम का समापन बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ, मिष्ठान वितरण और देशभक्ति नारों के साथ किया गया।

UGC के खिलाफ UP में सड़क पर युवा

सूबे के कई जिलों में छात्रों और संगठनों ने किया जोरदार प्रदर्शन

प्रस्तावित कानून को बताया असमानता और तनाव बढ़ाने वाला

एजेंसी । लखनऊ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित नए कानून को लेकर उत्तर प्रदेश में विरोध की लहर तेज होती जा रही है। राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के कई जिलों में मंगलवार को छात्रों, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार से कानून को वापस लेने की मांग उठाई। विभिन्न जिलों में प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए। लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर बड़ी संख्या में छात्रों ने धरना देकर यूजीसी के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि नया कानून उच्च शिक्षा व्यवस्था में असमानता को बढ़ावा देगा और इससे उनकी पढ़ाई व भविष्य दोनों प्रभावित होंगे। धरने के कारण विश्वविद्यालय परिसर में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

कानपुर में प्रधानमंत्री को लिखी पाती

कानपुर में विरोध का स्वर और भी अलग अंदाज में देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जूही मंडल उपाध्यक्ष आकाश ठाकुर ने अपने खून से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर यूजीसी के नए नियमों पर पुनर्विचार करने की अपील की। उनका कहना है कि यह कानून समाज और शिक्षण संस्थानों में विभाजन को और गहरा कर सकता है। वहीं, जिले में सामाजिक संगठनों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर तख्तियों के साथ प्रदर्शन कर जोरदार नारे लगाए।

भाजपा उपाध्यक्ष ने जताई नाराजगी

वाराणसी में भी यूजीसी बिल 2026 के खिलाफ विरोध मुखर रहा। अस्सी क्षेत्र निवासी और भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुधीर मिश्रा ने कहा कि इस बिल को लेकर असंतोष व्यापक है और केंद्र सरकार को समय रहते संशोधन करना चाहिए। वाराणसी जिला मुख्यालय पर भी कई संगठनों ने प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। खास बात यह रही कि सत्तारूढ़ दल से जुड़े बूथ स्तर से लेकर महानगर स्तर तक के कई कार्यकर्ताओं ने भी खुले तौर पर संशोधन की मांग की।

जौनपुर में सवर्ण आर्मी का प्रदर्शन

जौनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर उस समय गूंज उठा, जब सवर्ण आर्मी के हजारों कार्यकर्ताओं ने यूजीसी कानून के विरोध में प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र को सौंपा गया। संगठन के नेता प्रवीण तिवारी ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग यूजीसी बिल को पूरी तरह समाप्त करने की है। प्रदर्शन में शामिल शोभा शर्मा ने सवाल उठाया कि जब पहले से एससी-एसटी एक्ट लागू है, तो यूजीसी के नए कानून की आवश्यकता क्यों पड़ी। अलीगढ़ में राष्ट्रवादी छात्र संगठन ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए यूजीसी का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्कर शर्मा ने कहा कि छात्रों को बांटने वाले इस कानून को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी यूजीसी के नए कानून के खिलाफ प्रदर्शन और विरोध सभाएं आयोजित की गईं।

एससी-एसटी एक्ट है तो यूजीसी क्यों?

रायबरेली में भाजपा किसान मोर्चा नेता रमेश बहादुर सिंह और हिंदू रक्षा दल ने विरोध जताते हैं। दूसरी तरफ, बिजनौर में सवर्ण समाज, सवर्ण आर्मी और क्षत्रिय राजपूत सभा समिति ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल शोभा शर्मा ने सवाल उठाया कि जब पहले से एससी-एसटी एक्ट लागू है, तो यूजीसी के नए कानून की आवश्यकता क्यों पड़ी। अलीगढ़ में राष्ट्रवादी छात्र संगठन ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए यूजीसी का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्कर शर्मा ने कहा कि छात्रों को बांटने वाले इस कानून को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी यूजीसी के नए कानून के खिलाफ प्रदर्शन और विरोध सभाएं आयोजित की गईं।

नेलांग घाटी में फिर दिखा दुर्लभ हिम तेंदुआ

गंगोत्री नेशनल पार्क में लगाए गए कैमरे में रिकार्ड हुई तस्वीर

हिम तेंदुआ संग भूरे भालू समेत कई अन्य जीवों की उपस्थिति दर्ज

उत्तरकाशी। उत्तराखंड की ऊंची हिमालयी पर्वतश्रृंखलाओं के बीच स्थित गंगोत्री नेशनल पार्क से वन्य संरक्षण के लिहाज से उत्साहजनक खबर सामने आई है। 11 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित नेलांग घाटी क्षेत्र में दुर्लभ और लुप्तप्राय हिम तेंदुआ (स्नो लेपर्ड) एक बार फिर कैमरे में कैद हुआ है। इसके साथ ही हिमालयन भूरे भालू सहित अन्य दुर्लभ वन्यजीवों की मौजूदगी भी दर्ज की गई है। वन विभाग और आईटीबीपी के गश्ती दल द्वारा लगाए गए कैमरा ट्रैप में इन वन्यजीवों की गतिविधियां रिकॉर्ड हुई हैं।

कैमरा ट्रैप से मिला महत्वपूर्ण साक्ष्य

गंगोत्री नेशनल पार्क के रेंजर प्रदीप बिष्ट के अनुसार, हाल के दिनों में पार्क क्षेत्र में लगाए गए कैमरा ट्रैप में कई दुर्लभ प्रजातियों की तस्वीरें सामने आई हैं। उन्होंने बताया कि ये कैमरे मूल रूप से हिम तेंदुए की संख्या और गतिविधियों के आकलन के लिए लगाए गए थे, लेकिन इनमें अन्य वन्यजीवों की भी स्पष्ट तस्वीरें कैद हुई हैं। वन अधिकारियों का कहना है कि हिम तेंदुए और हिमालयन भूरे भालू जैसे संवेदनशील वन्यजीवों की नियमित मौजूदगी इस बात का संकेत है कि गंगोत्री नेशनल पार्क का पारिस्थितिक तंत्र संतुलित बना हुआ है।

बैंकों में पेन डाउन, ATM पर लगी कतार

बैंक हड़ताल से लेनदेन प्रभावित, लखनऊ सहित कई जिलों में प्रदर्शन

UFBU के आह्वान पर देशव्यापी हड़ताल का यूपी में भी दिखा असर

एजेंसी । लखनऊ

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर मंगलवार को हुई देशव्यापी बैंक हड़ताल का व्यापक असर उत्तर प्रदेश में देखने को मिला। प्रदेशभर के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लेन-देन सहित अधिकांश सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर, मेरठ, बरेली, अलीगढ़, हरदोई समेत कई जिलों में बैंक कर्मचारियों ने प्रदर्शन और रैलियों के जरिए अपनी मांगों को मुखर किया। हड़ताल के चलते बैंक शाखाओं में नकदी जमा-निकासी, ड्राफ्ट निर्माण, केवाईसी व पासबुक अपडेट जैसी सेवाएं बाधित रहीं। जानकारी के अभाव में बड़ी संख्या में ग्राहक बैंक पहुंचे, लेकिन उन्हें निराश लौटना पड़ा। कई स्थानों पर एटीएम के बाहर लंबी कतारें लगी रहीं, वहीं कुछ एटीएम में नकदी समाप्त होने की भी शिकायतें सामने आईं।

बैंकिंग से इतर भी कार्यों का बोझ

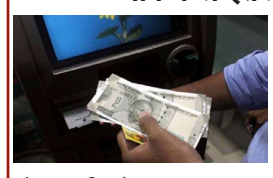

एनओबीओ यूनियन (उत्तर प्रदेश) के उपाध्यक्ष और यूको बैंक के प्रबंधक राजीव रंजन केशरी ने बताया कि बैंक कर्मचारी केवल नियमित बैंकिंग कार्य ही नहीं करते, बल्कि जनधन योजना, मुद्रा ऋण योजना सहित केंद्र व राज्य सरकार की अधिकांश कल्याणकारी योजनाओं को भी जमीनी स्तर पर लागू करते हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवा विभाग और इंडियन बैंक एसोसिएशन की ओर से पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह को लेकर कई बार आश्वासन दिए गए, लेकिन अब तक मांग पूरी नहीं हुई। राजधानी लखनऊ में यूएफबीयू जिला इकाई के आह्वान पर सुबह 10 बजे से बैंककर्मी हड़ताल पर चले गए। अधिकारियों और कर्मचारियों ने शाखाओं के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान फोरम के जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने कहा कि बैंक कर्मियों की मांगें पूरी तरह जायज हैं, लेकिन सरकार लंबे समय से इन्हें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह प्रमुख मांग

यूएफबीयू की मुख्य मांग सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की है। इसके अलावा फोरम श्रम कानूनों और द्विपक्षीय समझौतों की रक्षा, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण और विलय का विरोध तथा रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती की मांग कर रहा है।

प्रदेशभर में एकजुटता का प्रदर्शन

लखनऊ के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी बैंककर्मियों ने धरना-प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। कुल मिलाकर हड़ताल ने न केवल बैंकिंग व्यवस्था को प्रभावित किया, बल्कि आम ग्राहकों को भी दिनभर असुविधा का सामना करना पड़ा।

अब योगी के समर्थन में GST अफसर ने छोड़ी नौकरी

शंकराचार्य का समर्थन करने वाले अलंकार अग्निहोत्री के त्यागपत्र के बाद एक और इस्तीफा

डिप्टी कमिश्नर प्रशांत ने राज्यपाल को भेजा दो पेज का इस्तीफा

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के विवाद के बाद सूबे में बढ़ी सियासत

एजेंसी । अयोध्या

प्रयागराज माघ मेले से जुड़े शंकराचार्य विवाद को लेकर उपजे सियासी और प्रशासनिक घटनाक्रम के बीच एक और बड़ा कदम सामने आया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थन में अयोध्या में तैनात जीएसटी विभाग के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने दो पृष्ठों का इस्तीफा राज्यपाल को प्रेषित कर अपने निर्णय के कारण स्पष्ट किए हैं। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री द्वारा हाल ही में दिए गए इस्तीफे के बाद यह दूसरा मामला है, जब किसी वरिष्ठ अधिकारी ने शंकराचार्य से जुड़े विवाद को आधार बनाकर पद छोड़ने का फैसला किया हो। इससे पहले अलंकार अग्निहोत्री ने अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में त्यागपत्र देकर प्रशासनिक हलकों में हलचल पैदा कर दी थी।

"मुख्यमंत्री का अपमान अस्वीकार्य"

इस्तीफा भेजने के बाद मंगलवार को मीडिया से बातचीत में प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थन में यह कदम उठाया है। उनका कहना था कि शंकराचार्य द्वारा मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ की गई टिप्पणी उन्हें व्यक्तिगत रूप से आहत करने वाली लगी। उन्होंने कहा, "मैं उत्तर प्रदेश का कर्मचारी हूं, इसी प्रदेश से वेतन पाता हूं। लोकतांत्रिक रूप से चुने गए मुख्यमंत्री के अपमान को मैं स्वीकार नहीं कर सकता।" प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि पिछले तीन दिनों से वह इस घटनाक्रम से मानसिक रूप से व्यथित थे, जिसके बाद उन्होंने त्यागपत्र देने का निर्णय लिया। डिप्टी कमिश्नर ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाता है, तो वह अपने निजी संसाधनों से समाज सेवा के कार्यों में जुटेंगे। उन्होंने इसे अपने अंतर्मन की आवाज बताते हुए कहा कि यह फैसला किसी दबाव में नहीं, बल्कि आत्मसम्मान के आधार पर लिया गया है। अपने पद से इस्तीफा देने के बाद प्रशांत कुमार सिंह ने फोन पर अपनी पत्नी को इस निर्णय की जानकारी दी।

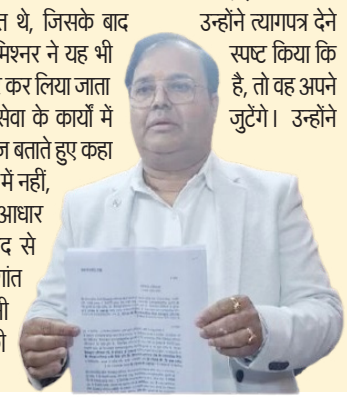

व्यापार जगत

केंद्रीय बजट 2026-27 की उलटी गिनती शुरू, नॉर्थ ब्लॉक में बना हलवा

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार के आगामी आम बजट की तैयारियां अब अपने निर्णायक चरण में पहुंच गई हैं। इस क्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को नॉर्थ ब्लॉक में आयोजित पारंपरिक 'हलवा समारोह' में सहभागिता कर बजट प्रक्रिया के अंतिम चरण की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने बजट निर्माण से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं तथा बजट प्रेस का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

नार्थ ब्लाक में हुई बजट की छपाई

रायसीना हिल्स स्थित ऐतिहासिक नॉर्थ ब्लॉक में आयोजित इस समारोह में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त मंत्रालय के सभी प्रमुख विभागों के सचिव और बजट प्रक्रिया से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्रालय का अधिकांश प्रशासनिक अमला सितंबर 2025 में कर्तव्य भवन स्थित नए केंद्रीय सचिवालय परिसर में स्थानांतरित हो चुका है, हालांकि बजट छपाई की परंपरा अब भी नॉर्थ ब्लॉक से ही निभाई जा रही है।

पूरी तरह डिजिटल होगा केंद्रीय बजट

सरकार ने स्पष्ट किया है कि 2026-27 का पूर्ण केंद्रीय बजट भी पूरी तरह डिजिटल होगा। इससे पहले के पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट की तरह इस बार भी बजट से जुड़े सभी दस्तावेज—वार्षिक वित्तीय विवरण, अनुदान मांगें और वित्त विधेयक—'केंद्रीय बजट मोबाइल ऐप' के माध्यम से आम जनता के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। हलवा समारोह बजट निर्माण की गोपनीय प्रक्रिया से जुड़ी एक पुरानी परंपरा है। बजट की छपाई शुरू होने से पहले यह आयोजन उन अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में किया जाता है, जो बजट तैयार करने की जिम्मेदारी निभाते हैं। इस समारोह के बाद वित्त मंत्रालय से जुड़े लगभग 60 से 70 अधिकारी और कर्मचारी 'लॉक-इन पीरियड' में प्रवेश करते हैं। इस दौरान वे बजट पेश होने तक न तो मंत्रालय परिसर से बाहर जा सकते हैं और न ही बाहरी दुनिया से संपर्क कर सकते हैं। इस गोपनीय व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि बजट से संबंधित कोई भी संवेदनशील जानकारी समय से पहले सार्वजनिक न हो।

भारत-EU के समझौते से बाजार ने पकड़ी रफ्तार

दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सुखद अंत, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए व्यापार समझौते के उत्साह ने आज घरेलू शेयर बाजार को मजबूती दी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स गिरावट के साथ खुला, जबकि निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ ट्रेडिंग शुरू की। शुरुआती बिकवाली के बाद खरीदारों की सक्रियता से दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन अंतिम घंटे में व्यापक खरीदारी ने दोनों प्रमुख सूचकांकों को मजबूती प्रदान की।

17 हरे तो 13 शेयर लाल निशान में हुए क्लोज

आज सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयर हरे निशान में और 13 लाल निशान में बंद हुए, जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 31 शेयर लाभ में और 19 शेयर नुकसान में रहे। दिनभर के कारोबार में बाजार के बड़े शेयरों में अदानी एंटरप्राइजेज, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदानी पोर्ट्स और ग्रासिम इंडस्ट्रीज में तेजी देखी गई, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, एटरनल और बजाज फिनसर्व में कमजोरी रही।

126.75 अंक की बढ़त के साथ निफ्टी बंद

अंतिम आंकड़ों के अनुसार, सेंसेक्स 81,857.48 अंक पर 319.78 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,175.40 अंक पर 126.75 अंक की मजबूती के साथ कारोबार का समापन किया। इस मजबूती से निवेशकों की संपत्ति में करीब 3.02 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.58 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया।

बैंकिंग, मेटल, डिफेंस, एनर्जी सेक्टर में तेजी

आज दिनभर बैंकिंग, मेटल, डिफेंस, आईटी और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी देखी गई, वहीं ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में कमजोरी रही, लेकिन प्रमुख इंडेक्स ने दिन का समापन सकारात्मक स्तर पर किया।

7406 शेयरों में दिनभर हुई ट्रेडिंग

आज बीएसई में कुल 4,473 और एनएसई में 2,933 शेयरों में सक्रिय ट्रेडिंग हुई। दिनभर के उतार-चढ़ाव और अंतिम घंटे की लिवाली ने बाजार में संतुलन बनाए रखा और निवेशकों के लिए लाभ का अवसर सुनिश्चित किया।

कस्तूरी मेटल का आईपीओ लॉंच

तीन फरवरी को SME प्लेटफॉर्म पर हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। स्टील फाइबर उत्पाद बनाने वाली कस्तूरी मेटल कंपोजिट लिमिटेड ने मंगलवार को अपने आईपीओ का सब्सक्रिप्शन शुरू कर दिया। इस इश्यू की कुल राशि 17.61 करोड़ रुपये है, जिसमें निवेशक 29 जनवरी तक बोली लगा सकते हैं। आईपीओ का अलॉटमेंट 30 जनवरी को होगा और 2 फरवरी को शेयर निवेशकों के डीमैट अकाउंट में जमा कर दिए जाएंगे। अनुमान है कि 3 फरवरी को ये शेयर बीएसई के SME प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। आईपीओ में प्राइस बैंड 61 से 64 रुपये प्रति शेयर रखा गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। रिटेल निवेशक अधिकतम दो लॉट यानी 4,000 शेयर के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसके लिए 2,56,000 रुपये निवेश करने होंगे। इस इश्यू के तहत 27.52 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ से पहले कंपनी ने चार प्रमुख एंकर निवेशकों से 5 करोड़ रुपये जुटाए, जिनमें एलआरएसडी सिक्योरिटीज, राजस्थान ग्लोबल सिक्योरिटीज, टाइगर स्ट्रेटजिक फंड और इनोवेटिव विजन फंड शामिल हैं। इश्यू में क्यूआईबी के लिए 47.38 प्रतिशत, रिटेल निवेशकों के लिए 33.28 प्रतिशत, एनआईआई के लिए 14.32 प्रतिशत और मार्केट मेकर्स के लिए 5.01 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस प्रक्रिया के लिए हेम सिक्योरिटीज बुक रनिंग लीड मैनेजर और बिगशेयर सर्विसेज रजिस्ट्रार हैं।

अडाणी-एम्ब्रेयर ने मिलाया हाथ, भारत में बनेंगे यात्री विमान

दोनों कंपनियों ने नई दिल्ली में एमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारतीय विमानन विनिर्माण क्षेत्र को नई दिशा देते हुए अडाणी समूह और ब्राजील की वैश्विक एयरोस्पेस कंपनी एम्ब्रेयर ने देश में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के निर्माण की पहल की है। दोनों कंपनियों के बीच रणनीतिक सहयोग को लेकर मंगलवार को नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। नागर विमानन मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और एम्ब्रेयर के वरिष्ठ अधिकारियों ने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू की उपस्थिति में इस करार को औपचारिक रूप दिया।

हवाई परिवहन तंत्र को मिलेगी मजबूती

इस अवसर पर नागर विमानन मंत्री ने कहा कि यह समझौता भारत के क्षेत्रीय हवाई परिवहन तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'उड़ान' विजन से प्रेरित यह साझेदारी घरेलू विनिर्माण, मरम्मत एवं अनुरक्षण सेवाओं को बढ़ावा देगी और 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्य को मजबूती प्रदान करेगी। इससे वैश्विक विमानन आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका और सुदृढ़ होगी।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशव विकास भी शामिल

नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने बताया कि यह सहयोग केवल विमानों के असेंबली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण पर भी काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से भारत को क्षेत्रीय विमानों के एक भरोसेमंद विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के निदेशक जीत अडाणी ने कहा कि एम्ब्रेयर के साथ साझेदारी भारत में विमान निर्माण के क्षेत्र में समूह के प्रवेश को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि विनिर्माण इकाई के लिए संभावित स्थलों की पहचान की जा रही है और शीघ्र ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। वहीं, कंपनी के चेयरमैन एवं सीईओ आशीष राजवंशी ने इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। गौरतलब है कि एम्ब्रेयर के ई-जेट विमानों का संचालन भारत में वर्ष 2005 से हो रहा है। वर्तमान में इसके लगभग 50 विमान भारतीय वायुसेना, सरकारी एजेंसियों और वाणिज्यिक विमानन कंपनियों की सेवाओं में हैं। एम्ब्रेयर 150 सीट तक की क्षमता वाले वाणिज्यिक विमानों के निर्माण में वैश्विक स्तर पर प्रमुख कंपनी मानी जाती है।

दबदबा बरकरार रखने उतरेगी टीम इंडिया

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथा टी-20 मुकाबला आज

एजेंसी । विशाखापत्तनम

टीम इंडिया पहले ही सीरीज पर कब्जा कर चुकी है। सूर्यकुमार एंड कंपनी बुधवार को चौथे टी-20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम किसी तरह की कोताही नहीं बरतना चाहेगी। मैच में निगाह संजू सैमसन के साथ ही कुलदीप और चक्रवर्ती के प्रदर्शन पर रहेगी। कुलदीप और चक्रवर्ती अब तक फिरकी से कमाल नहीं दिखा पाए हैं। अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले भारतीय टीम के पास अपनी कमियों को सुधारने के लिए इस मैच के बाद सिर्फ एक और मुकाबला बचा है। बल्लेबाजी में टीम शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। टीम की चिंता स्पिनर बढ़ा रहे हैं। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप भी अब तक उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। वह प्रभावित करने में असफल रहे हैं। पिछले मैच में उन्होंने तीन महंगे ओवर किए जिनमें उन्होंने 32 रन दिए। वह वनडे सीरीज में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट लिए थे और प्रति ओवर 7.28 रन दिए थे। चक्रवर्ती को पिछले मैच में विश्राम दिया गया था। लेकिन पहले दो मैच में उनकी गेंदबाजी में वह धार नहीं दिखी जिसके लिए वह जाने जाते हैं।

बड़ी पारी खेलना चाहेंगे संजू

अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले भारतीय टीम के पास अपनी कमियों को सुधारने के लिए इस मैच के बाद सिर्फ एक और मुकाबला बचा है। पहले मुकाबले को छोड़ दिया जाए तो पिछले दो मैचों में अभिषेक, ईशान और कप्तान सूर्यकुमार ने शानदार प्रदर्शन कर एकतरफा जीत दिलाई। शीर्ष चार में सिर्फ संजू कमजोर कड़ी साबित हुए। वह तीन पारियों में एक बार दोहरे अंक तक पहुंचे हैं।

आमने-सामने

कुल मैच	: 28
भारत जीता	: 17
न्यूजीलैंड जीता	: 10
टाई	: 1

नंबर गेम

16 रन बना पाए हैं संजू सैमसन तीन मैचों में 5.33 की औसत से

9 प्रति ओवर लुटाए हैं चक्रवर्ती ने दो मैचों में और तीन विकेट झटके हैं

9.5 प्रति ओवर रन दिए हैं कुलदीप ने पिछले दो मैच में दो विकेट लि ले पाए हैं

न्यूजीलैंड के लिए गेंदबाजी कमजोर कड़ी

न्यूजीलैंड के लिए सीरीज में अभी तक कुछ भी अच्छा नहीं रहा। उसके बल्लेबाजों ने कभी-कभार अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन गेंदबाजी उसके लिए सबसे कमजोर कड़ी साबित हो रही है। डफी उसके सबसे किफायती गेंदबाज हैं पर उनका इकॉनमी रेट 10.30 है। उसके अन्य गेंदबाज हेनरी (13.80), जैमीसन (14.20), सेंटनर (13.14) और ईश सोढ़ी (12.50) भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं।

अभिषेक, ईशान और सूर्य लय में

भारत ने दूसरे और तीसरे मैचों में क्रमशः 209 और 154 रन (कुल 363 रन) का पीछा करते हुए सिर्फ 25.2 ओवर ही खेले हैं। भारतीय बल्लेबाजी अभिषेक, ईशान और सूर्य के ईद-गिर्द ही रही। सूर्य ने 171 की औसत से रन बनाए हैं। निचले क्रम को हाथ खोलने का मौका नहीं मिला।

पेसर दिखा रहे दम

बुमराह शानदार फॉर्म में हैं। वह अपनी स्विंग से धमाल मचा रहा है। हार्दिक को बल्लेबाजी का खास मौका नहीं मिला है लेकिन गेंदबाजी में वह 8.50 की इकोनॉमी से सिर्फ चार विकेट ले चुके हैं। बुमराह ने दो मैचों में तीन विकेट चटकाए हैं। हालांकि अर्शदीप सिंह महंगे साबित हुए हैं। उन्होंने दो मैचों प्रति ओवर दस रन लुटाए हैं।

सूर्य तीन हजारी बनने के करीब

कप्तान सूर्यकुमार तीन हजार रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बनने के करीब हैं। इसके लिए उन्हें 41 रन की जरूरत है। वह 102 मैचों में 165.03 की स्ट्राइक रेट और चार शतकों से 2959 रन बना चुके हैं।

सात साल से अजेय है भारत

भारतीय टीम डा. वाईएस राजशेखर रेड्डी स्टेडियम में सात साल से अजेय है। उसे यहां पिछली और एकमात्र हार फरवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली थी। उसके बाद दो मुकाबले खेले और दोनों जीते। टीम ने कुल चार मैच खेले हैं जिसमें सिर्फ एक हारा है।

अल्कराज पहली बार सेमीफाइनल में

एजेंसी । मेलबर्न

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने आखिरकार ऑस्ट्रेलियन ओपन में क्वार्टर फाइनल की बाधा पार कर ही ली। लगातार तीसरी बार अंतिम-8 में खेलने वाले अल्काराज ने मंगलवार को स्थानीय खिलाड़ी और छठे वरीय एलेक्स डि मिनॉर को 7-5, 6-2, 6-1 से हराकर शान के साथ पहली बार सेमीफाइनल का टिकट कटाया। अल्काराज 2024 में ज्वेरेव और 2025 में जोकोविच से अंतिम-8 में हार गए थे। अब उनका सामना अब तीसरी वरीयता प्राप्त अलक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। जर्मनी ने ज्वेरेव ने अमेरिका के 20 वर्षीय लर्नर टिएन को 6-3, 6-7, 6-1, 7-6 से हराया। ज्वेरेव ने 24 ऐस लगाए और सिर्फ एक डबल फॉल्ट किया। वह मेलबर्न में चौथी और दसवीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम चार में पहुंचे।

नडाल-बोर्ग के क्लब में

अल्काराज (22 साल 258 दिन) ने 23 साल की उम्र से दसवीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचकर दिग्गज ब्योर्न बोर्ग, राफेल नडाल और बोरिस बेकर के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। यही नहीं वह ओपन युग में यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं।

ग्रैंड स्लैम से सिर्फ दो जीत दूर

अल्काराज अब करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने से सिर्फ दो जीत दूर रह गए हैं। अगर वह रविवार को ट्रॉफी जीतने में सफल रहते हैं तो ओपन युग में चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले छठे खिलाड़ी बन जाएंगे।

स्वितोलिना ने कोको को किया बाहर, अब टक्कर सबालेंका से

साल की शुरुआत आकलैंड ओपन की ट्रॉफी के साथ करने वाली एलिना स्वितोलिना पहली बार यहां सेमीफाइनल में पहुंच गईं। यूक्रेन की 12वीं वरीयता प्राप्त स्वितोलिना ने मंगलवार को तीसरी वरीय कोको गफ को 59 मिनट में 6-1, 6-2 से बाहर का रास्ता दिखा दिया। फाइनल में जगह बनाने के लिए अब उन्हें दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यन सबालेंका की चुनौती से पार पाना होगा। भीषण गर्मी के कारण मैच छत बंद करके खेलने पड़े। ब्रेक के बाद वापसी करने वाली स्वितोलिना ने शुरू से ही दबदबा बना लिया जबकि गफ ने पहले सेट में पांच डबल फाल्ट किए। अमेरिकी खिलाड़ी कोको ने इस बीच गुस्सा अपने रैकेट पर निकाला और उसे कई बार नीचे पटका। स्वितोलिना ने मैच में सिर्फ तीन गेम गंवाए। मेलबर्न में तीसरे खिताब के लिए खेल रहीं बेलारूस की सबालेंका ने अमेरिका की 18 वर्षीय इवा जोविक को 6-3, 6-0 से हराया।

नंबर गेम

6 लगातार मुकाबलों में अल्काराज ने मिनॉर को पराजित किया

8 वें स्पेनिश खिलाड़ी हैं मेलबर्न में अंतिम-चार में पहुंचने वाले

12 मैच दोनों ने अब तक खेले हैं जिसमें से छह ज्वेरेव और इतने ही कार्लोस ने जीते हैं

अपने पिता का सपना जी रहे अंबरीश

नई दिल्ली। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत के लिए मैच जिताऊ प्रदर्शन करने वाले आरएस अंबरीश तेजी से चर्चा में आए हैं। 18 वर्षीय सीम गेंदबाजी ऑलराउंडर ने जिम्बाब्वे के बुलावायो में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ चार विकेट झटककर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस प्रदर्शन ने न सिर्फ टीम को मजबूती दी, बल्कि अंबरीश को एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के रूप में भी स्थापित किया। अंबरीश के इस प्रदर्शन को चेन्नई में बैठे उनके पिता आर. सुकुमार ने भावुक होकर देखा। सुकुमार खुद तमिलनाडु अंडर-19 टीम के कप्तान रह चुके हैं और रेलवे की घरेलू टीम तक पहुंचने के करीब थे, लेकिन आगे नहीं बढ़ सके। शनिवार को बेटे के 'प्लेयर ऑफ द मैच' बनने के साथ सुकुमार का अधूरा सपना एक तरह से पूरा हो गया।

अभी संन्यास लेने का इरादा नहीं : केएल राहुल

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने स्वीकार किया है कि उनके मन में संन्यास लेने का विचार आया था, लेकिन वह मानते हैं कि अभी इसमें कुछ समय बाकी है। उन्होंने साफ किया कि जब सही समय आएगा, तो वह इस फैसले को टालेंगे नहीं। राहुल गुरुवार को मोहाली में पंजाब के खिलाफ होने वाले रणजी मैच में कर्नाटक की ओर से खेलते नजर आएंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में राहुल ने कहा कि संन्यास लेना उनके लिए कोई बहुत मुश्किल फैसला नहीं होगा। उनका मानना है कि क्रिकेट के अलावा भी जीवन है और अगर खिलाड़ी खुद के प्रति ईमानदार हो, तो सही समय पर पीछे हटने में संकोच नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब वक्त आता है, तब बस चुपचाप खेल को अलविदा कह देना चाहिए और जो मिला है, उसका आनंद लेना चाहिए। राहुल ने कहा कि उनके लिए परिवार बेहद अहम है और पिता बनने के बाद जीवन को देखने का नजरिया पूरी तरह बदल गया है।

बॉलीवुड

रानी के 30 साल और 'मर्दानी 3' की गूंज

रणबीर कपूर का दिल छू लेने वाला रिएक्शन

रानी मुखर्जी के सिनेमा में 30 साल पूरे होने के जश्न के बीच अभिनेता रणबीर कपूर ने उनके लिए दिल से भरा संदेश शेयर किया है। रणबीर ने कहा कि उन्हें बेहद खुशी है कि पूरा फिल्म उद्योग रानी की शानदार विरासत का जश्न मना रहा है, खासकर उनकी अपकमिंग फिल्म 'मर्दानी 3' के जरिए।

रणबीर और रानी ने साथ में फिल्म 'सांवरिया' से काम किया था, जो रणबीर की डेब्यू फिल्म थी। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए रणबीर ने बताया कि रानी उन पहले लोगों में से थीं जिन्होंने उन पर भरोसा जताया। रणबीर ने कहा कि रानी ने उनसे कहा था कि अगर वह मेहनत करेंगे तो बहुत आगे जाएंगे और उस वक्त ये शब्द उनके लिए बेहद मायने रखते थे। उन्होंने रानी की शख्सियत और काम की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें बहुत करीब से देखा है और हमेशा उनकी गरिमा, आकर्षण और प्रतिभा से प्रभावित रहे हैं। रणबीर के मुताबिक, रानी उन कलाकारों में से हैं जिन्हें आने वाली पीढ़ियां भी याद रखेंगी। उन्होंने यह भी माना कि रानी ने अपने किरदारों और फिल्मों के चुनाव से हिंदी सिनेमा में महिलाओं की प्रस्तुति को नई दिशा दी है। रणबीर ने रानी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी फिल्मों ने उन्हें ढेर सारी यादें और भावनाएं दी हैं। उनके मुताबिक, रानी ने हमेशा अपने सिनेमा के जरिए लोगों को खुशियां देने की कोशिश की है और एक एंटरटेनर के तौर पर उनका योगदान बेहद खास है। इसी बीच रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' भी चर्चा में बनी हुई है। यह फिल्म मर्दानी फ्रेंचाइज़ी की अगली कड़ी है, जो हमेशा से महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर मुद्दों को उठाती आई है। इस बार कहानी कम आय वर्ग से आने वाली छोटी बच्चियों के अपहरण जैसे संवेदनशील विषय पर केंद्रित होगी।

'वध 2' ट्रेलर रिलीज, थ्रिलर और ड्रामा का डबल डोज

रोमांटिक फिल्मों के लिए मशहूर निर्माता लव रंजन अब एक बार फिर गंभीर और रहस्यमयी कहानी के साथ दर्शकों के सामने आने वाले हैं। साल 2022 में आई फिल्म 'वध' को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद अब इसका सीक्वल 'वध 2' तैयार है, जो 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। करीब 2 मिनट 21 सेकंड लंबे ट्रेलर में सस्पेंस, इमोशनल ड्रामा और रहस्यों की परतें एक साथ खुलती नजर आती हैं। इस बार कहानी एक मिसिंग केस के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां पुलिस की शक की सुई

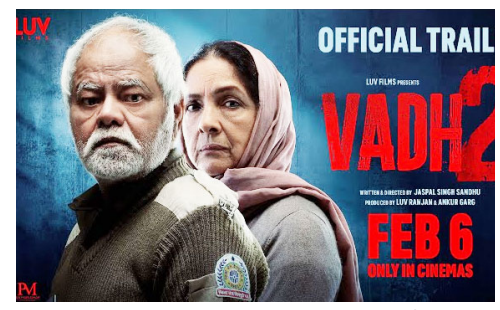

शंभुनाथ (संजय मिश्रा) की ओर मुड़ती दिखाई देती है। ट्रेलर यह संकेत देता है कि सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली होने वाली है, और हर किरदार अपने भीतर कोई न कोई राज छिपाए बैठा है।

दमदार स्टारकास्ट

फिल्म में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के अलावा कुमुद मिश्रा, शिल्पा शुक्ला, अमित के सिंह, अक्षय डोगरा और योगिता बिहानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन जसपाल सिंह संधू ने किया है, जिन्होंने ट्रेलर के जरिए ही कहानी के टोन को गहरा और रहस्यमय बना दिया है। 'वध 2' एक बार फिर दर्शकों को नैतिक द्वंद्व, अपराध और इंसानी भावनाओं की जटिल दुनिया में ले जाने के लिए तैयार दिख रही है।

'बॉर्डर 3' पर लगी मुहर

बॉक्स ऑफिस पर ज़बरदस्त ओपनिंग वीकेंड और दर्शकों की भरपूर सराहना के बाद फिल्म 'बॉर्डर 2' ने एक बार फिर देशभक्ति सिनेमा की मजबूत पकड़ को साबित कर दिया है। फिल्म की सफलता के बाद अब बॉर्डर फ्रैंचाइज़ी के अगले भाग को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। टी-सीरीज़ के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर भूषण कुमार ने एक साक्षात्कार में पुष्टि की है कि 'बॉर्डर 3' के निर्माण के लिए टी-सीरीज़, जेपी दत्ता और निधि दत्ता की प्रोडक्शन कंपनी जेपी फिल्म्स के साथ दोबारा सहयोग करेगी। इस घोषणा के साथ ही फ्रैंचाइज़ी के भविष्य को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। भूषण कुमार ने कहा कि 'बॉर्डर' फ्रैंचाइज़ी केवल एक फिल्म सीरीज़ नहीं, बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, बलिदान और देशभक्ति

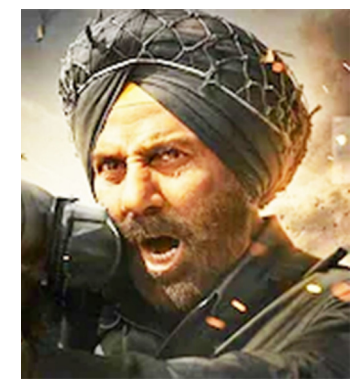

को बड़े पर्दे पर सम्मानपूर्वक प्रस्तुत करने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि 'बॉर्डर 2' को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि दर्शकों के दिलों में इस फ्रैंचाइज़ी के लिए आज भी वही भावनात्मक जुड़ाव मौजूद है। निर्माताओं के अनुसार, टी-सीरीज़ की तकनीकी और निर्माण क्षमता तथा जेपी दत्ता परिवार की देशभक्ति आधारित कहानी कहने की परंपरा एक बार फिर साथ आएगी।

विजय देवरकोंडा की 'वीडी 14' को मिला टाइटल 'राणा बाली'

पैन-इंडिया सुपरस्टार विजय देवरकोंडा एक बार फिर बड़े पर्दे पर दमदार वापसी के लिए तैयार हैं। गणतंत्र दिवस के खास मौके पर मेकर्स ने उनकी अगली फिल्म 'वीडी 14' के टाइटल और रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का नाम 'राणा बाली' रखा गया है, जो एक भव्य ऐतिहासिक ड्रामा है। 'राणा बाली' किसी आम मसाला फिल्म से बिल्कुल अलग है। यह फिल्म 19वीं सदी के मध्य भारत में घटी सच्ची ऐतिहासिक घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। निर्देशक राहुल सांकृत्यायन, जिन्होंने इससे पहले विजय देवरकोंडा के साथ सुपरहिट फिल्म 'टैक्सीवाला' बनाई थी, इस बार ब्रिटिश राज के दौर की क्रूरता और आर्थिक शोषण को बड़े पर्दे पर उतारने जा रहे हैं। फिल्म में ब्रिटिश अधिकारियों सर रिचर्ड टेम्पल और सर थियोडोर हेक्टर की दमनकारी नीतियों को दिखाया गया है, जिनकी वजह से देश के कई हिस्सों में भीषण सूखा और अकाल फैल गया था।

विजय-रश्मिका की हिट जोड़ी की वापसी

टीजर में इस ऐतिहासिक त्रासदी की तुलना हिटलर के 'होलोकॉस्ट' से भी ज्यादा भयावह बताई गई है। फैंस के लिए खास बात यह है कि फिल्म में विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना एक बार फिर साथ नजर आएंगे। इससे पहले दोनों की जोड़ी 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' में दर्शकों का दिल जीत चुकी है। 'राणा बाली' इस हिट जोड़ी की तीसरी फिल्म होगी। फिल्म में विजय देवरकोंडा 'राणा बाली' के किरदार में एक शक्तिशाली और उग्र अवतार में नजर आएंगे, जबकि रश्मिका मंदाना 'जयम्मा' का अहम रोल निभा रही हैं। वहीं, हॉलीवुड फिल्म 'द ममी' फेम अभिनेता आर्नोल्ड वॉसलू फिल्म में खूंखार विलेन सर थियोडोर हेक्टर

11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक

'राणा बाली' 11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म विजय देवरकोंडा और माइथ्री मूवी मेकर्स के बीच तीसरा सहयोग है। फिल्म को बड़े पैमाने पर और भारी बजट के साथ तैयार किया जा रहा है। संगीतकार अजय-अतुल का म्यूजिक और राहुल सांकृत्यायन का विजन इसे एक यादगार सिनेमाई अनुभव बनाने का दावा करता है।

एसिड अटैक के मामलों में 'सुप्रीम' आदेश

राज्य-केंद्र शासित प्रदेशों से मांगी विस्तृत जानकारी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में बढ़ते एसिड अटैक के मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे एसिड अटैक से जुड़े मामलों की विस्तृत जानकारी अदालत को सौंपें। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि उसे केवल आंकड़े नहीं, बल्कि साल-दर-साल दर्ज मामलों, अदालती कार्रवाई की स्थिति और पीड़िताओं के पुनर्वास का पूरा ब्योरा चाहिए।

राज्यों को 4 सप्ताह का अल्टीमेटम

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए सख्त निर्देश जारी किए। पीठ ने राज्य सरकारों को यह जानकारी देने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि अब तक कितने मामलों में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की है और ट्रायल कोर्ट में कितने मामलों का निपटारा हो चुका है। साथ ही, यह भी बताना होगा कि कितने मामले अभी भी लंबित हैं।

अपीलीय अदालतों का डेटा भी तलब

निचली अदालतों के अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और अन्य अपीलीय अदालतों में चल रहे मामलों का भी हिसाब मांगा है। कोर्ट ने जानना चाहा है कि एसिड अटैक के दोषियों या पीड़ितों द्वारा कितनी अपीलें दायर की गई हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि न्याय प्रक्रिया में कहां देरी हो रही है, इसकी पहचान की जा सके।

> "कुछ कानूनी दखल के बारे में सोचें... यह दहेज हत्या से कम गंभीर नहीं है।
> – सूर्यकांत, मुख्य न्यायाधीश

जबरन एसिड पिलाने के मामलों पर विशेष चिंता

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उन जघन्य मामलों पर विशेष चिंता व्यक्त की, जिनमें पीड़ितों को जबरन एसिड पिलाया गया। अदालत ने ऐसे मामलों का अलग से पूरा विवरण मांगा है। यह देखा गया है कि एसिड पिलाने से आंतरिक अंग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे पीड़ित की स्थिति बाहरी हमलों की तुलना में और भी नाजुक और दर्दनाक हो जाती है।

पीड़िताओं का सामाजिक और आर्थिक प्रोफाइल

अदालत ने केवल कानूनी पहलुओं पर ही नहीं, बल्कि मानवीय पहलुओं पर भी जोर दिया है। कोर्ट ने हर पीड़ित से जुड़ी संक्षिप्त और व्यक्तिगत जानकारी मांगी है। इसमें पीड़ित की शैक्षणिक योग्यता, उसका रोजगार, वैवाहिक स्थिति और हमले के बाद उनके जीवन पर पड़े प्रभाव का ब्योरा शामिल है। यह जानकारी पुनर्वास की रूपरेखा तय करने में मददगार साबित होगी।

इलाज और पुनर्वास योजनाओं की समीक्षा

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से यह स्पष्ट करने को कहा है कि एसिड अटैक पीड़ितों के लिए उनके यहां कौन-कौन सी पुनर्वास योजनाएं लागू हैं। इसके साथ ही, पीड़ितों के इलाज का पूरा विवरण, अब तक हुए खर्च और भविष्य में होने वाले संभावित खर्च की जानकारी भी मांगी गई है, ताकि उन्हें उचित आर्थिक मदद और चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

कानून में बदलाव और कड़ी सजा की सिफारिश

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य न्यायाधीश ने केंद्र सरकार को भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने केंद्र से कहा है कि वह कानून में बदलाव पर विचार करे ताकि एसिड अटैक जैसे क्रूर अपराधों के लिए दोषियों को 'असाधारण और कड़ी सजा' दी जा सके। कोर्ट का मानना है कि मौजूदा प्रावधान इस अपराध की गंभीरता के हिसाब से पर्याप्त नहीं हो सकते।

शाहीन मलिक की याचिका पर सुनवाई

यह महत्वपूर्ण सुनवाई एसिड अटैक सर्वाइवर शाहीन मलिक द्वारा दायर जनहित याचिका (PIL) पर हो रही थी। शाहीन मलिक ने अपनी याचिका में मांग की है कि 'दिव्यांगता' की कानूनी परिभाषा का दायरा बढ़ाया जाए। उनका तर्क है कि जिन पीड़ितों के आंतरिक अंग जबरन एसिड पिलाने से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें भी दिव्यांग माना जाए ताकि उन्हें उचित मुआवजा, इलाज और सरकारी राहत मिल सके।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग

कानून मंत्री से मिले एन के पुरोहित

एजेंसी । नई दिल्ली

गौधाम पथमेड़ा के आयोजन मंत्री एन के पुरोहित ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल व पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। एन के पुरोहित ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। उनका संरक्षण और सम्मान राष्ट्र के नैतिक व सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ा विषय है।

सरकार का सकारात्मक रुख

मुलाकात के दौरान कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने इस विषय पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इसी कार्यकाल में गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार गौ संरक्षण, संवर्धन और इससे जुड़े सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील है। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने के प्रयासों में अपना पूर्ण योगदान देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण और संवर्धन से जुड़े विषय राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना से जुड़े हैं और इस पर गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए।

आश्वासन के लिए आभार जताया

एन के पुरोहित ने इस आश्वासन के लिए कानून मंत्री का आभार जताया और कहा कि यह निर्णय देशभर में गौ भक्तों और सनातन परंपरा को मानने वालों की भावनाओं को सम्मान देगा। इस मुलाकात को गौ रक्षा आंदोलन के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

हीटवेव की चपेट में ऑस्ट्रेलिया, जनजीवन प्रभावित

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का कहर देखने को मिला। देश लंबे समय से जारी हीटवेव की चपेट में है और कई इलाकों में पारा लगभग 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार से तापमान में कुछ गिरावट आने की उम्मीद है, हालांकि हीटवेव का असर सप्ताहांत तक बने रहने की संभावना है। ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट प्रभावित विक्टोरिया की राजधानी मेलबर्न में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट पर इसका असर साफ दिखा। आमतौर पर दर्शकों से खचाखच भरे रहने वाले स्टेडियम परिसर के बाहर मंगलवार को सन्नाटा पसरा रहा और तेज धूप के कारण भीड़ काफी कम नजर आई। भीषण गर्मी को देखते हुए टूर्नामेंट आयोजकों को 'एक्सट्रीम हीट प्रोटोकॉल' लागू करना पड़ा।

केजरीवाल-आतिशी की याचिका पर सुनवाई स्थगित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी की एक याचिका पर सुनवाई 21 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। याचिका में उन्होंने मतदाताओं के नाम हटाने संबंधी कथित टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ दायर मानहानि मामला रद्द करने से इनकार करने वाले आदेश को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और एन. के. सिंह की पीठ ने यह कहते हुए मामले की सुनवाई स्थगित कर दी कि इसमें विस्तृत सुनवाई की जरूरत है। आप नेताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने बताया कि पीठ ने कहा था कि इस मामले को नियमित मामलों की सुनवाई वाले दिन (मंगलवार, बुधवार और गुरुवार) को सुना जाना चाहिए। इसी आधार पर उन्होंने मामले की सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया।

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में छह हजार ज्यादा लोग मारे गए

तेहरान। ईरान में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई में कम से कम 6,126 लोग मारे गए तथा कई और लोगों के मारे जाने की आशंका है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी। यह समूह ईरान में मौजूद कार्यकर्ताओं के नेटवर्क के माध्यम से मौत के प्रत्येक मामले की पुष्टि करता है और अतीत में इसके आंकड़े सही साबित हुए हैं। ईरान सरकार ने मृतकों की संख्या इससे कहीं कम 3,117 बताई है। उसने कहा है कि 2,427 लोग आम नागरिक और सुरक्षा बल थे, जबकि उसने शेष को आतंकवादी बताया। ईरान के धर्मतंत्र ने पहले भी अशांति के दौरान मारे गए लोगों की संख्या कम बताई है या हताहतों की जानकारी नहीं दी है।

'महाकाल के सामने सब बराबर'

महाकाल मंदिर में वीआईपी दर्शन के खिलाफ याचिका खारिज

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में वीआईपी दर्शन के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि धार्मिक मामलों का नियमन न्यायिक दायरे में नहीं आता और ऐसे विषयों पर फैसला मंदिर प्रबंधन को ही करना चाहिए। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत तथा जस्टिस आर. महादेवन और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने दिया।

हाईकोर्ट का फैसला बरकरार

मंदिर प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र पर जोर

पीठ ने याचिकाकर्ता दर्पण अवस्थी को इस मुद्दे पर मंदिर अथॉरिटी के समक्ष अपनी बात रखने की सलाह दी। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मंदिर प्रबंधन में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाएं हैं और वीआईपी प्रवेश की अनुमति दी जाए या नहीं, यह तय करना अदालत का काम नहीं है। यह निर्णय उन लोगों पर निर्भर करता है, जो मंदिर प्रशासन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

याचिकाकर्ता के तर्क और वकील की दलील

याचिका खारिज होने के बाद याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी और संबंधित अधिकारियों के समक्ष पक्ष रखने की बात कही। उन्होंने तर्क दिया कि वीआईपी दर्जे के आधार पर नागरिकों के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता। उनका कहना था कि यदि किसी व्यक्ति को गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति दी जाती है, तो एक सामान्य भक्त को भी शिवलिंग पर जल चढ़ाने का समान अधिकार मिलना चाहिए।

मौलिक अधिकारों पर कोर्ट की चिंता

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि गर्भगृह के भीतर मौलिक अधिकारों को सख्ती से लागू करने से अनजाने परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि अनुच्छेद 14 के तहत समानता का अधिकार गर्भगृह में लागू किया गया, तो आगे चलकर लोग अनुच्छेद 19 जैसे अन्य अधिकारों का भी दावा करने लगेंगे। इससे पहले मध्य प्रदेश हाई कोर्ट भी यह कह चुका है कि वीआईपी की कोई कानूनी परिभाषा नहीं है और यह मंदिर प्रबंधन समिति व कलेक्टर के प्रशासनिक विवेक का विषय है।

पांच फीट बर्फ में फंसे 40 सैनिकों सहित 60 को बचाया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भारी बर्फ में फंसे राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट के 40 जवानों सहित 60 लोगों को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने सुरक्षित बाहर निकाला। इसमें कोई भी घायल नहीं हुआ। बीआरओ ने 'प्रोजेक्ट संपर्क' के तहत विशेष बचाव अभियान चलाया। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि 'प्रोजेक्ट संपर्क' के तहत 10,500 फुट की ऊंचाई पर स्थित चतरगला दर्रे पर बचाव एवं सड़क बहाली अभियान को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि 35 सीमा सड़क कार्य बल (बीआरटीएफ) की 118 सड़क निर्माण कंपनी (आरसीसी) ने भारी बर्फबारी के एक दिन बाद 24 जनवरी को अभियान शुरू किया और लगभग 38 किलोमीटर सड़क को साफ किया, जो पांच से छह फीट बर्फ से ढकी हुई थी। इलाके में लगभग लगभग 40 घंटे तक बर्फबारी हुई थी। प्रवक्ता ने बताया कि 25 जनवरी की शाम तक मार्ग खोल दिया गया।

गुजरात में आतंकी हमले की साजिश नाकाम

एटीएस ने उत्तर प्रदेश के युवक को पकड़ा

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) ने आतंकी साजिश को नाकाम करने में सफलता हासिल की है और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर अल कायदा जैसे आतंकी संगठनों की विचारधारा से प्रभावित है और एक खास संगठन के लोगों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा था। एटीएस ने आरोपी के पास से हथियार भी बरामद किया है, जो उसने गैरकानूनी तरीके से हासिल किया था। एटीएस ने मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी है, लेकिन इतना बताया कि उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के डुंडावाला का रहने

वाला युवक फैजान शेख, अभी गुजरात के नवसारी जिले के चारपुल में रह रहा था। एटीएस ने रविवार को उसे एक आतंकी साजिश रचने के मामले में गिरफ्तार किया। एक एटीएस अधिकारी ने बताया, 'जैश-ए-मोहम्मद और अल कायदा जैसे आतंकी संगठनों की विचारधाराओं से प्रभावित होने के बाद, शेख ने आतंक और डर फैलाने के लिए एक खास संगठन के लोगों की हत्या करने के लिए गैर-कानूनी तरीके से हथियार और गोला-बारूद खरीदे थे।' पिछले साल नवंबर में, गुजरात एटीएस ने एक डॉक्टर सहित तीन लोगों को हथियारों और केमिकल की मदद से एक बड़ा आतंकवादी हमला करने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोपियों में से एक की पहचान तेलंगाना के रहने वाले डॉ. अहमद मोहिउद्दीन सैयद के रूप में हुई, जो एक बड़ा आतंकवादी हमला करने के लिए रिसिन केमिकल बना रहा था।

जल्द होगी पीएम मोदी की परीक्षा पे चर्चा

इससे जुड़ी गतिविधियों में 6.76 करोड़ लोगों की भागीदारी

एजेंसी । नई दिल्ली

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का एक वीडियो माइगोव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया है, जिसे इस इवेंट का ट्रेलर बताया जा रहा है। वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों से सीधे संवाद करते नजर आ रहे हैं, जहां सवाल-जवाब के बीच हल्का-फुल्का माहौल और हंसी-मजाक भी देखने को मिला। वीडियो के अंत में संकेत दिया गया है कि पीएम मोदी जल्द ही परीक्षा पे चर्चा के तहत छात्रों से बातचीत करेंगे, हालांकि कार्यक्रम की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। परीक्षा पे चर्चा के लिए 1 दिसंबर 2025 से रजिस्ट्रेशन शुरू हुए थे, जो 11 जनवरी 2026 तक चले। इस बार पिछले सभी रिकॉर्ड टूट गए और 4.5 करोड़ से अधिक छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने रजिस्ट्रेशन कराया।

एआई से सुरक्षा चुनौतियों को पहले ही भांपने में सक्षम होंगे पुलिस बल

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रौद्योगिकी आधारित कानून प्रवर्तन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने पुलिस बलों में समर्पित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टास्क फोर्स गठित करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने कम से कम 70 प्रतिशत पुलिसकर्मियों को एआई के प्रयोगों में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य तय किया है।

करीब 70 फ़ीसदी पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने की कवायद

उच्च स्तरीय बैठकों में यह स्पष्ट किया गया कि आधुनिक पुलिसिंग में एआई का एकीकरण अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। गृह मंत्रालय खुफिया जानकारी जुटाने, वास्तविक समय में खतरों की पहचान और अपराध के पैटर्न व उभरते सुरक्षा जोखिमों के त्वरित विश्लेषण के लिए एक व्यापक एआई ढांचा विकसित करेगा।

नैटग्रिड और एआई का एकीकरण

इस योजना का एक प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड (नैटग्रिड) को एआई प्रणालियों के साथ एकीकृत करना है। कई एजेंसियों से डेटा एकत्र करने वाला नैटग्रिड एआई-आधारित विश्लेषण के साथ और अधिक प्रभावी हो सकता है। 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट में भी इस दिशा में तैयार ब्लूप्रिंट सामने आने की संभावना है।

केरल सरकार केंद्र के नए लेबर कोड का करेगी विरोध

मंत्री ने नीतियों को बताया मजदूर विरोधी

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल के श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने मंगलवार को केंद्र सरकार की नीतियों को मजदूर विरोधी करार दिया। विधानसभा में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नए लेबर कोड को रद्द कराने के लिए केंद्र पर हर संभव दबाव बनाएगी। उनका कहना था कि केरल सरकार श्रमिकों के हितों से समझौता नहीं करेगी। यह मुद्दा सीपीआई(एम) विधायक पी. नंदकुमार ने सदन में उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि नए नियम नौकरी की सुरक्षा को कमजोर करते हैं और वेतन से जुड़ी शर्तों का उल्लंघन करते हैं। इसके जवाब में मंत्री शिवनकुट्टी ने कहा कि मजदूरों के खिलाफ किसी भी कदम को केरल सरकार स्वीकार नहीं करेगी।

केंद्र की नीतियों पर तीखा हमला

मंत्री ने दोहराया कि केंद्र सरकार के श्रम सुधार मजदूरों के हितों के बजाय कॉर्पोरेट लाभ को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि नए लेबर कोड से श्रमिकों के अधिकारों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और यह सामाजिक न्याय की भावना के खिलाफ है। शिवनकुट्टी ने बताया कि राज्य सरकार केंद्रीय श्रम कोड का अध्ययन करने और उनके प्रभाव का आकलन करने के लिए एक समिति गठित करेगी। उन्होंने कहा कि 29 प्रमुख श्रम कानूनों को मिलाकर बनाए गए चार श्रम कोड अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के मानकों के विपरीत हैं। जहां कई राज्यों ने अपने कानूनों में संशोधन किया है।

अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन सिंदूर पर झूठा और स्वार्थपूर्ण विवरण पेश करने पर दिया करारा जवाब

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को लगाई फटकार

एजेंसी । संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठे और स्वार्थपूर्ण विवरणों का करारा जवाब दिया है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने पाकिस्तानी राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों का उपयोग भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए किया जा रहा है, जिसे अब और सहन नहीं किया जाएगा।

आतंकवाद को सामान्य बनाने की कोशिश नाकाम

राजदूत हरीश ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान का एकमात्र एजेंडा भारत और उसके नागरिकों को नुकसान पहुंचाना है। पाकिस्तानी राजदूत अहमद ने जब यह दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर पर उनकी प्रतिक्रिया ने 'दबाव की नई सामान्य स्थिति' को खारिज कर दिया है, तो भारत ने इसे सिरे से नकार दिया।

पहलगाम हमले का मुंहतोड़ जवाब

भारत ने स्पष्ट किया कि पिछले साल मई में चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की प्रतिक्रिया थी। पहलगाम हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की जान गई थी, जिसकी निंदा स्वयं संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी की थी और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने का आह्वान किया था।

जिम्मेदाराना और संतुलित सैन्य कार्रवाई

राजदूत हरीश ने ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए बताया कि भारत की कार्रवाई पूरी तरह से संतुलित और जिम्मेदाराना थी। इसका उद्देश्य केवल आतंकवादी बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करना और आतंकवादियों को निष्क्रिय करना था, न कि तनाव को बढ़ाना। भारत ने यह सुनिश्चित किया कि उसकी कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय मानकों और अपनी रक्षा के अधिकार के तहत हो।